RNI-MPHIN/2018/75526

वर्ष-08 | अंक-270 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-

दैनिक कालप्रिया

सच वही जो दिखे...

भोपाल, सोमवार

6 जुलाई 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

Āryç कृष्ण पक्ष-y, विक्रम संवत् 208V

आमिर खान की गौरी से शादी हुई

मुकेश अंबानी-आशुतोष गोवारिकर पहुंचे; 20 की उम्र में घरवालों से छिपकर पड़ोसी से पहली मैरिज की थी

मुंबई। मशहूर कहावत है कि 'दूसरा मौका सिर्फ कहानियां देती हैं, जिंदगी नहीं', लेकिन बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने ये कहावत गलत साबित कर दी। दो नाकाम शादियों के बाद आमिर ने जिंदगी को नया मौका दिया और आज वो 61 की उम्र में गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से शादी कर चुके हैं। दोनों ने आमिर के घर में रजिस्टर्ड मैरिज की, जिसमें परिवार के लोगों के अलावा चुनिंदा करीबी दोस्त शामिल हुए। आमिर खान, तलाक के बाद भी रीना दत्ता और किरण राव को पूरा सम्मान देते हैं।

साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट पहुंचे पीएम मोदी-कर्मचारियों से किया सीधा संवाद कर कहा-

आपका आत्मविश्वास ही भारत को ग्लोबल सेमीकंडक्टर हब बनाएगा

अहमदाबाद। गुजरात के साणंद में भारत के तकनीकी भविष्य ने एक ऐतिहासिक उड़ान भरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां सीजी सेमी के अत्याधुनिक प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम का अंदाज बिल्कुल अलग दिखा। उन्होंने प्लांट के अंदर जाकर वहां काम करने वाले इंजीनियरों और तकनीशियनों से सीधे संवाद किया। उनकी पीठ थपथपाई और उनका हौसला बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद युवाओं से कहा कि आपका आत्मविश्वास ही भारत को ग्लोबल सेमीकंडक्टर हब बनाएगा। वहां मौजूद हर कर्मचारी की आंखों में एक अलग चमक थी। वे समझ रहे थे कि वे सिर्फ चिप नहीं बना रहे, बल्कि भारत को एक नई तकनीकी महाशक्ति बनाने की नींव रख रहे हैं। कर्मचारियों ने भी पीएम के साथ अपना अनुभव

साझा किया। झारखंड की रहने वाली पूनम ने कहा कि आईटीआई की पढ़ाई के दौरान लोगों ने मजाक बनाया लेकिन अब सभी कह रहे हैं कि कुछ अच्छा कर रही हूं।

किन देशों ने दिया भारत का साथ

यह प्लांट कोई सामान्य फैक्ट्री नहीं है। इसके निर्माण में करीब 7,600 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। यह भारत का तीसरा ऐसा सेमीकंडक्टर प्लांट है, जहां कमर्शियल स्तर पर चिप पैकेजिंग का काम शुरू हो गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें भारत के साथ-साथ जापान और थाईलैंड की तकनीकी साझेदारी भी शामिल है। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक नायाब उदाहरण है। पीएम मोदी ने साफ कहा कि यह सिर्फ एक उद्योग नहीं है, बल्कि भारत की आत्मनिर्भरता का एक नया अध्याय है जो हमें दुनिया के साथ बराबरी पर खड़ा करेगा।

चिप की दुनिया में भारत का मिशन क्या

उत्पादन की बात करें तो आंकड़े चौंकाने वाले और महत्वाकांक्षी हैं। अभी शुरुआती चरण में यहां हर साल 20 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप्स बनाई जाएंगी। लेकिन सरकार का लक्ष्य इससे कहीं बड़ा है। आने वाले समय में इसे बढ़ाकर हर साल 500 करोड़ चिप्स तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि जिस तरह से यहां काम हो रहा है, यह टारगेट समय से पहले ही हासिल कर लिया जाएगा। यह पूरी दुनिया की चिप आपूर्ति श्रृंखला में भारत की स्थिति को इतना मजबूत कर देगा कि वैश्विक कंपनियां भी भारत की ओर रुख करेंगी।वहीं, प्रियंका अग्रवाल ने कहा कि मुझे ट्रेनिंग के लिए थाईलैंड भेजा गया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आपलोगों ने गुजरात में क्या देखा। एक-एक कर पीएम मोदी ने सभी कर्मचारियों से संवाद किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने शिवपुरी जिले के पाली में 2,500 करोड़ रूपए के अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस प्लांट का किया भूमिपूजन

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मजबूत हो रहा देश का डिफेंस सेक्टर : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा मध्यप्रदेश तेज़ी से निवेश, उद्योग और रोजगार का विश्वसनीय केंद्र बन रहा है। मध्यप्रदेश आज सिर्फ़ एक विशाल औद्योगिक परियोजना का साक्षी नहीं, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के नए युग का उद्घोष कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी अन्य देश पर निर्भर नहीं है, बल्कि स्वदेश में निर्मित आधुनिक रक्षा उपकरणों के बल पर दुनिया के सामने अपनी सामर्थ्य का परिचय दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का डिफेंस सिस्टम बेहद मजबूत हो गया है। हमारी आंतरिक और बाहरी सुरक्षा और मजबूत हो गई है। प्रधानमंत्री की विजनरी लीडरशीप में रक्षा उत्पादों का आयात करने वाला हमारा देश अब बीते कुछ ही सालों में रक्षा उत्पादों का निर्यातक बन गया है।

शिवपुरी बनेगा भारत का नया डिफेंस हब

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को शिवपुरी जिले को विकास की बड़ी सौगात देते हुए 211 करोड़ से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने 2,500 करोड़ की लागत से स्थापित होने वाले अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की आधारशिला रखी, जिसे दक्षिण एशिया के निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा डिफेंस एवं एयरोस्पेस निर्माण संयंत्र बताया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 6 जुलाई को करेंगे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क सतगढ़ी का भूमि-पूजन एवं शिलान्यास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश को देश का अग्रणी औद्योगिक एवं निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिये औद्योगिक अधोसंरचना के विस्तार, निवेश-अनुकूल वातावरण के निर्माण और रोजगार सृजन को गति देने के उद्देश्य से निरंतर प्रभावी पहल की जा रही हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजधानी भोपाल को आधुनिक औद्योगिक पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 6 जुलाई (सोमवार) को सतगढ़ी में विकसित किए जा रहे स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क का भूमि-पूजन एवं शिलान्यास करेंगे। राष्ट्रवादी चिंतक एवं भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर आयोजित यह कार्यक्रम प्रदेश की औद्योगिक विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगा।

भोपाल को मिलेगा 25 एकड़ क्षेत्रफल का विश्वस्तरीय कन्वेंशन और एग्जिबिशन सेंटर

ग्रीन और स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क से औद्योगिक विकास को मिलेगी नई रफ्तार

राम मंदिर चढ़ावा: दान में मिले गहने गला दिए गए, बैंक कर्मियों सहित आठ रडार पर

लखनऊ, एजेंसी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) को वित्तीय अनियमितताओं के साथ दान में मिले गहनों में भी गंभीर गड़बड़ियों के संकेत मिले हैं। जांच में आशंका जताई जा रही है कि श्रद्धालुओं द्वारा दान किए गए गहनों को गलाकर उनका मूल स्वरूप बदला गया और बाद में उनमें हेरफेर की गई। हालांकि इसकी अंतिम पुष्टि विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

एसआईटी दो दिवसीय दूसरे चरण की जांच पूरी कर शुक्रवार रात लखनऊ लौट गई। टीम ट्रस्ट के गठन से अब तक के करीब पांच वर्षों के वित्तीय रिकॉर्ड, बैंक खातों, लेनदेन और ऑडिट दस्तावेजों की गहन पड़ताल कर रही है। जांच के दौरान ट्रस्ट के सभी प्रमुख वित्तीय दस्तावेज अपने कब्जे में लिए गए हैं। शुरुआती जांच में ऑडिट और वित्तीय लेनदेन में कई खामियां सामने आई हैं। अधिकारियों के अनुसार, दान की राशि में कथित हेरफेर गिनती के दौरान ही किए जाने की आशंका है, जिससे वास्तविक दान राशि और संभावित गबन का सटीक आकलन करना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

गहनों में गड़बड़ियां, बड़ों पर सवाल

लाखों-करोड़ों रुपये के कीमती गहने श्रद्धालुओं ने दान दिए हैं। कई दान देने वालों ने सवाल भी उठाए हैं। ऑडिट में भी इसका जिक्र नहीं है। एसआईटी इस पहलू को बहुत ही गंभीरता से जांच रही है। इसका पूरा काम चंपत राय के कहने पर टिन्नू देखता था। सूत्र बताते हैं कि गहनों को गलाया भी जाता था। अंदेशा है कि इसी के बाद कहीं न कहीं गलाए गए गहनों को इधर से उधर किया जाता था। एसआईटी को कुछ सुबूत व गवाह तो मिले हैं, लेकिन देखना यह होगा कि इसको वह साबित कैसे करेगी। अगर यह सही है तो इसमें भी चंपत राय की जिम्मेदारी तय होगी।

एसबीआई से करार खत्म कर सकता है ट्रस्ट

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट वित्तीय और प्रशासनिक व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार ट्रस्ट का पूरा वित्तीय ढांचा पुनर्गठित किया जाएगा। इसके तहत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ मौजूदा व्यवस्था समाप्त कर ट्रस्ट के खातों को किसी अन्य सरकारी अथवा निजी बैंक में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर भी विचार चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक ट्रस्ट अब चढ़ावे की गिनती, लेखा-जोखा और वित्तीय प्रबंधन पूरी तरह पेशेवर व्यवस्था के तहत संचालित करना चाहता है। इसके लिए स्थायी चार्टर्ड अकाउंटेंट, मैनेजमेंट ग्रेजुएट, सेवानिवृत्त बैंक अधिकारियों और अनुभवी बैंक कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी।

राम मंदिर दान घोटाला-मोहन भागवत की दो टूक, कहा-

हर पापी को मिले सख्त सजा

नागपुर। अयोध्या के राम मंदिर में महादान पर डाका पड़ा है। दान पेटी से हुई इस चोरी ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। अब इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सीधी हुंकार भरी है। उन्होंने साफ कह दिया है कि इस महापाप के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। रविवार को नागपुर में मीडिया के सामने आते ही भागवत ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने अलग से कोई घुमावदार बात नहीं की। भागवत ने सीधे तौर पर संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के बड़े बयान को आगे कर दिया। भागवत ने दो टूक कहा, कल ही दत्तात्रेय होसबाले जी ने इस पर पूरा बयान जारी किया है, आप सब उसे ही देखें।

करोड़ों भक्तों के सीने पर गहरा आघात

होसबाले ने रामलला के दरबार में हुई इस हेराफेरी को अत्यंत निंदनीय बताया है। होसबाले ने कहा कि पीढ़ियों के खून-पसीने, संघर्ष और बलिदान से यह भव्य मंदिर बना है। यह पूरे हिंदू समाज की अटूट आस्था का केंद्र है। रामलला की दान पेटी पर हाथ साफ करने वालों ने सिर्फ पैसा नहीं चुराया, बल्कि करोड़ों रामभक्तों के भरोसे का कत्ल किया है। इस नीच हरकत से पूरा समाज गहरे सदमे और गुस्से में है। इस गर्मागर्म विवाद के बीच, भागवत नागपुर में सन्मार्ग माइंड वेलनेस केंद्र के उद्घाटन में पहुंचे थे। वहां उन्होंने नई पीढ़ी के मानसिक स्वास्थ्य और डिप्रेशन पर एक बेहद डरावना सच सामने रखा। भागवत ने चेतावनी दी कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम और परिवारों में बुजुर्गों के मार्गदर्शन की कमी के कारण हमारे बच्चे मानसिक रूप से बेहद कमजोर और नाजुक हो रहे हैं।

जांच में अब तक क्या?

मामला बिगड़ा तो उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को तुरंत मैदान में उतरना पड़ा। राम जन्मभूमि ट्रस्ट की गुहार पर एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई। एसआईटी ने अपनी शुरुआती जांच की और 25 जून को केस दर्ज कर लिया। अब तक इस मामले में आठ आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। जांच की आंच इतनी तेज थी कि इसके लपेटे में बड़े नाम आ गए। नैतिक जिम्मेदारी का हवाला देकर ट्रस्ट के सर्वेसर्वा चंपत राय और पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने तुरंत अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। सरकार ने जांच का दायरा बढ़ाने के लिए एसआईटी को 15 दिनों की मोहलत और दे दी है। संघ ने अब सीधे ट्रस्ट को चेताया है कि वह अपनी पूरी तिजोरी और प्रशासन के ढीले पेच कसे। साथ ही, भक्तों से संयम रखने की अपील की है ताकि देश विरोधी ताकतें इस दुखद घटना का फायदा न उठा सकें।

संसद में दो तिहाई बहुमत के लिए मोदी सरकार ने लगाया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला आरक्षण और परिसीमन के लिए संसद के दोनों सदनों में जरूरी दो तिहाई बहुमत हासिल करने के लिए मोदी सरकार ने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया है। इस क्रम में तृणमूल, शिवसेना यूबीटी में हुई टूट से उत्साहित भाजपा की निगाहें अब एनसीपी पर है। माना जा रहा है कि इस महीने के तीसरे सप्ताह में शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से पहले शरद पवार गुट के छह सांसद एनसीपी का दामन थाम सकते हैं। बताया जा रहा है कि बागी सांसद बीते कुछ दिनों से भाजपा के संपर्क में हैं। संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए सरकार द्रमुक, झामुमो, वाईएसआर कांग्रेस समेत निर्दलीय सांसदों के संपर्क में है।

एनसीपी के साथ तृणमूल कांग्रेस वाला फार्मूला

सूत्रों का कहना है कि एनसीपी पवार के छह सांसद भाजपा में शामिल होने के लिए संपर्क में थे। हालांकि, स्थानीय राजनीति के मद्देनजर भाजपा ने बागी सांसदों से दूरी बनाई। संकेत हैं कि बागी सांसदों को एनसीपी अजित में शामिल कराने की कवायद शुरू हुई है।

सूत्रों के मुताबिक इस क्रम में द्रमुक से कुछ दौर की बातचीत हो चुकी है, जबकि सरकार की योजना अन्य दलों से सत्र की शुरुआत से पहले संपर्क साधने की है। सूत्रों का कहना है कि सत्र शुरू होने से पहले सरकार द्रमुक के साथ अंतिम दौर की बातचीत करेगी।

प्रकृति की बहाली — जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए अफ्रीका बना रहा है 8000 किमी लंबी पेड़ों की दीवार

ग्रेट वॉल चाइना के बाद अब ग्रेट ग्रीन वॉल ऑफ ट्रीज

नई दिल्ली (एजेंसी)

सेनेगल के अटलांटिक तट से लेकर लाल सागर पर जिबूती के तटों तक अफ्रीका अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी पर्यावरण परियोजनाओं में से एक शुरू कर रहा है। ग्रेट ग्रीन वॉल के रूप में जानी जाने वाली यह पहल सहारा रेगिस्तान की सीमा से लगे एक विशाल अर्ध-शुष्क क्षेत्र साहेल में लगभग 8,000 किलोमीटर तक फैली हुई है।

इसका लक्ष्य केवल पेड़ लगाने से कहीं अधिक है। इस परियोजना का उद्देश्य बंजर भूमि को बहाल करना, मरुस्थलीकरण से निपटना, खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना, लाखों रोजगार पैदा करना और समुदायों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने में मदद करना है। ग्रेट ग्रीन वॉल पेड़ लगाने के साथ-साथ जंगलों, घास के मैदानों, कृषि भूमि और आर्द्रभूमि की बहाली को जोड़ती है, जिससे दुनिया के सबसे अधिक जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में से एक में जीवन वापस आ रहा है।

परियोजना की खास बातें

ग्रेट ग्रीन वॉल का पैमाना बेहद उल्लेखनीय है। 2030 तक, इस पहल का लक्ष्य 10 करोड़ हेक्टेयर बंजर भूमि को बहाल करना है, जो लगभग मिस्र देश के आकार का क्षेत्र है। इसके साथ ही वायुमंडल से 25 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड को सोखना, पूरे अफ्रीका में 1 करोड़ हरित रोजगार पैदा करना और साहेल में रहने वाले लाखों लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा व आजीविका में सुधार करना भी इसके प्रमुख लक्ष्यों में शामिल है। 20 से अधिक अफ्रीकी देश, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, विकास बैंकों और पर्यावरण समूहों के साथ मिलकर इस पहल का समर्थन कर रहे हैं। हालांकि, परियोजना को अभी एक लंबा रास्ता तय करना है, फिर भी कई देशों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

क्यों है अफ्रीका को पेड़ों की दीवार की आवश्यकता

दशकों से साहेल क्षेत्र ने मरुस्थलीकरण, लंबे समय तक सूखे, भूमि क्षरण और जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभावों का सामना किया है। पूरे क्षेत्र में रहने वाले लाखों लोग अपनी आजीविका के लिए खेती और पशुपालन पर निर्भर हैं। जैसे-जैसे उपजाऊ भूमि खराब हुई है और वर्षा तेजी से अप्रत्याशित हो गई है, समुदायों ने घटती फसल पैदावार, खाद्य असुरक्षा और गरीबी का सामना किया है। ग्रेट ग्रीन वॉल स्वस्थ मिट्टी को बहाल करके, जल प्रतिधारण में सुधार करके, वनस्पति आवरण बढ़ाकर और कृषि भूमि को अधिक उत्पादक बनाकर इस प्रवृत्ति को उलटने का प्रयास करती है। इस पहल से जैव विविधता को मजबूत करने और उस दबाव को कम करने की भी उम्मीद है जो कई लोगों को बेहतर अवसरों की तलाश में अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर करता है। अपने नाम के बावजूद, ग्रेट ग्रीन वॉल पूरे महाद्वीप में फैली पेड़ों की कोई एकल और अखंड पंक्ति नहीं है। इसके बजाय, यह स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र के अनुकूल बहाली परियोजनाओं का एक समूह है। कुछ क्षेत्रों में देशी पेड़ लगाए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

इनरव्हील ने मनाया स्थापना समारोह

सतना। तीन जुलाई को मैत्री और सेवा भाव से ओतप्रोत अंतर्राष्ट्रीय संस्था इनरव्हील के सतना क्लब का स्थापना कार्यक्रम संध्या गांधी के मुख्य आतिथ्य में बड़े ही धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पुरानी टीम ने अपना दायित्व भार नई टीम को सौंपा और साथ ही नई टीम की प्रेसिडेंट सविता गोयल एवं सेकेट्री नेहा अग्रवाल के निर्देशन में उपस्थित सभी सदस्यों के बीच कई मनोरंजक कायक्रम करवाए गए। कार्यक्रम में प्रेसिडेंट, सेकेट्री के अलावा जोनल हेड उमा मिश्रा,पीपी सुनीता गुप्ता, ट्रेजरार मंजुला सिंह, आईएसओ जया अग्रवाल ,इंस्टव्हील के चेयरमैन संतोष गुप्ता ,रोटरी एवं रोटरेक्ट अधिकारियों के अलावा भारी संख्या में सदस्य गण उपस्थित रहे।कार्यक्रम की जानकारी एडिटर ममता श्रवण अग्रवाल ने दी।

लायंस लंगर सेवा में खिचड़ी प्रसाद का वितरण

सतना। लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स सतना द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को अनवरत जारी लायंस लंगर सेवा में शनिवार को श्री हनुमान जी मंदिर सी.एम.एच.ओ.आफिस के सामने धवारी सतना में खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन आलोक त्रिपाठी ज़ोन चेयरपर्सन लायन धर्मेंद्र सेन, लायन कृष्ण कुमार द्विवेदी, लायन कैलाश कुमार,अशोक त्रिपाठी, कमल कांत पाण्डेय, राजेश श्रीवास्तव,उमेश शर्मा, मिथलेश पाण्डेय, सुकीर्त त्रिपाठी, सूर्य कमल त्रिपाठी, विनय कमल त्रिपाठी, मंदिर के पुजारी पं.जगन्नाथ महराज जी एवं साथी उपस्थित रहे ।

ए.के.एस. में रोजगारोन्मुखी बी.फार्मा का अवसर

सतना। स्वास्थ्य सेवाओं और औषधि उद्योग के निरंतर विस्तार के साथ फार्मेसी आज देश के सबसे तेजी से उभरते करियर विकल्पों में शामिल हो चुकी है। दवा निर्माण, अनुसंधान, क्लीनिकल रिसर्च, अस्पताल, औषधि विपणन, गुणवत्ता नियंत्रण, नियामकीय कार्य, उद्यमिता तथा उच्च शिक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में प्रशिक्षित फार्मासिस्टों की बढ़ती मांग को देखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई), नई दिल्ली ने बी.फ़ार्मा पाठ्यक्रम को आधुनिक, कौशल-आधारित और उद्योगोन्मुखी बनाया है। इसी नवीन पाठ्यक्रम के अनुरूप ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना का राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के निदेशक डॉ. एस.पी. गुप्ता ने बताया कि नए पाठ्यक्रम में बहुविषयक शिक्षा, अकादमिक लचीलापन, अनुभवात्मक अधिगम, उद्योग आधारित प्रशिक्षण, अनुसंधान, नवाचार, डिजिटल दक्षता, उद्यमिता तथा व्यावसायिक कौशल के समन्वय पर विशेष बल दिया गया है।

जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान व बेहतर संवाद के लिए नई पहल

सतना-मैहर जिले में 'सांसद सुविधा केंद्र' का शुभारंभ

नगर संवाददाता ■ सतना

संसदीय क्षेत्र की जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और जनप्रतिनिधि से सीधे संवाद को सशक्त बनाने की दिशा में शनिवार को एक महत्वपूर्ण पहल की गई। सांसद गणेश सिंह ने कलेक्ट्रेट के समीप धवारी स्थित इनक्यूबेशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में रिमोट का बटन दबाकर ÷सांसद सुविधा केंद्र÷ के ऑनलाइन पोर्टल एवं हेल्पलाइन नंबर 9425172508 का शुभारंभ किया।

सांसद सुविधा केंद्र के माध्यम से आम नागरिक अपनी समस्याएं हेल्पलाइन, ऑनलाइन पोर्टल तथा सांसद इंटर्न के सहयोग से आसानी से दर्ज करा सकेंगे। यह केंद्र शिकायतों को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के साथ-साथ उनके समाधान के लिए समयबद्ध फॉलो-अप भी सुनिश्चित करेगा। जिससे आमजन को विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।इस अवसर पर सांसद गणेश सिंह ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सांसद सुविधा केंद्र आमजन और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम बनेगा तथा पारदर्शी एवं जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, विंध्य चेंबर ऑफकॉमर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा, पूर्व अध्यक्ष विवेक अग्रवाल, एकेएस यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर अनंत सोनी, रवीन्द्र सिंह सेठी, भाजपा नेत्री नीता सोनी, अपर कलेक्टर विकास सिंह, सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह, एसडीएम राहुल सिलाडिया, डिप्टी कलेक्टर मैहर आशिमा पटेल सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

14 तक पूरा होगा बरगी टनल निर्माण किसानों को मिलेगा नर्मदा जल

जिले के किसानों के लिए बहुप्रतीक्षित बरगी दाई तट नहर परियोजना से जुड़ी बड़ी खुशखबरी सामने आई है। कटनी जिले के स्लीमनाबाद में निर्माणाधीन बरगी टनल का कार्य अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और सुरंग निर्माण का केवल 38 मीटर हिस्सा शेष रह गया है। कार्य में तेजी आने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि 14 जुलाई तक टनल निर्माण का कार्य पूरी तरह पूरा कर लिया जाएगा। शनिवार को स्लीमनाबाद पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए सतना सांसद गणेश सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि लंबे समय से रुका यह महत्वपूर्ण कार्य अब तेजी से पूरा हो रहा है। मशीनों के सुचारु संचालन और इंजीनियरों की मेहनत के कारण परियोजना अंतिम चरण में पहुंच गई है। सांसद ने बताया कि 15 जुलाई 2026 को टनल निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मशीन ऑपरेटरों एवं इंजीनियरों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। सांसद ने कहा कि यह केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि सतना जिले के हजारों किसानों के भविष्य से जुड़ा ऐतिहासिक अभियान है।

जीवनधारा सप्ताह के तहत कराया निःशुल्क डायलिसिस

नगर संवाददाता ■ सतना

इनर व्हील क्लब ऑफ सतना उद्गम द्वारा वन क्लब, वन डायलिसिस थीम जीवनधारा के अंतर्गत जिला चिकित्सालय, सतना में जीवनधारा सप्ताह मनाया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत क्लब द्वारा मरीज अजय लाल साकेत का निःशुल्क डायलिसिस कराया गया। साथ ही मरीज को आवश्यक दवाइयाँ एवं स्वास्थ्य उपयोगी किट भी भेंट की गई, ताकि उपचार के साथ-साथ उन्हें आवश्यक सहयोग भी प्राप्त हो सके। क्लब की अध्यक्ष अनामिका अग्रवाल ने कहा कि इनर व्हील क्लब सदैव समाज सेवा एवं मानवता के कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष अनामिका अग्रवाल, सचिव सपना अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रियंका मिश्रा तथा सदस्य ज्योति उपस्थित रहीं।

आयुक्त ने किया एनीकट व फिल्टर प्लांट का निरीक्षण

नगर संवाददाता ■ सतना

वर्षाकाल में शहरवासियों को निर्बाध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुक्त डॉ. शेर सिंह मीना एवं एमआईसी सदस्य तथा पेयजल विभाग के अध्यक्ष श्री आदित्य यादव ने एनिकट एवं फिल्टर प्लांट का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जलस्तर, जल शोधन प्रक्रिया, फिल्टर प्लांट की कार्यप्रणाली तथा पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नगर निगम आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षाकाल में पेयजल आपूर्ति किसी भी स्थिति में बाधित न हो। जलस्रोतों, फिल्टर प्लांट एवं मशीनरी की नियमित निगरानी, समयबद्ध अनुरक्षण तथा जल शोधन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। साथ ही किसी भी तकनीकी समस्या का त्वरित निराकरण कर नागरिकों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य एवं पेयजल विभाग के अध्यक्ष आदित्य यादव ने भी पेयजल व्यवस्था का अवलोकन करते हुए जलापूर्ति तंत्र की नियमित मॉनिटरिंग, आवश्यक अनुरक्षण कार्यों में तेजी तथा नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष बल दिया।

जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

नगर संवाददाता ■ सतना

जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी की एक महत्वपूर्ण बैठक डॉ दीपक सोई के निवास में आयोजित की गई, जिसमें संगठन विस्तार के साथ-साथ आगामी सेवा गतिविधियों एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, सेवा एवं संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में

खजुराहो स्थित होटल चंदेला में आयोजित होने वाले जायंट्स ग्रुप के वार्षिक अधिवेशन की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अध्यक्ष डॉ. दीपक सोई, बसंत शर्मा, नीलांबर झा, मोना चोपड़ा, डॉ. मनीषा सोई, राखी होतचंदानी, विनोद गेलानी, सिमरन होतचंदानी, रेशमा डिसूजा, श्याम लाल गुप्ता श्यामू, डाली भ्रामरी, रंजीत सेनानी, डॉ. राकेश सोनी, संजय भ्रामरी रश्मी जैन, समरेन्द्र सिंह, संतोष सिंह एवं सुखवेंद्र वोरा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

द भुवन्स सृजन एकेडमी के बच्चों ने निकाली प्लास्टिक फ्री बैग-डे पर जागरूकता रैली

नगर संवाददाता ■ सतना

इंटरनेशनल प्लास्टिक फ्री बैग डे के अवसर पर शहर के द भुवन्स सृजन एकेडमी के विद्यार्थियों द्वारा एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य लोगों को प्लास्टिक बैग के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था। रैली की शुरुआत विद्यालय परिसर से हुई, जिसमें कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

विद्यार्थियों ने हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर स्वयं द्वारा बनाए गए कागज के बैग वितरित कर आसपास के क्षेत्रों में लोगों को जागरूक किया। विद्यालय प्रबंधन ने इस अवसर पर कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण आज वैश्विक समस्या बन चुकी है और इसे कम करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। रैली के समापन पर विद्यार्थियों ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं प्लास्टिक बैग का उपयोग नहीं करेंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे।

इस कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे एवं विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

शहरी क्षेत्र के राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की की गई साप्ताहिक समीक्षा

■ ऑन-साइट प्रशिक्षण अभियान का शुभारंभ

नगर संवाददाता ■ सतना

जिला स्वास्थ्य समिति की आयोजित बैठक में कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देश पर शनिवार को सतना शहरी क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत संचालित समस्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की साप्ताहिक समीक्षा एवं ऑन-साइट प्रशिक्षण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन, स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता संवर्धन तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित करना है। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला ने की। इस अवसर पर जिला

स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नलिनी शुक्ला, शहरी नोडल अधिकारी डॉ. विनीत गुप्ता, जिला क्षय अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता, डीसीएम डॉ. ज्ञानेश मिश्रा, एपीएम सुधेश शुक्ला, गीता मिश्रा, विक्रम प्रजापति एवं अभिषेक सिंह सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में सतना शहरी क्षेत्र के सभी सेक्टर चिकित्सा अधिकारी, एएनएम, आशा कार्यकर्ता तथा सुपरवाइजरों ने भी सहभागिता की। समीक्षा के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के विभिन्न प्रमुख संकेतकों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिन क्षेत्रों में तकनीकी अथवा व्यावहारिक कठिनाइयाँ पाई गईं, वहां संबंधित जिला नोडल अधिकारियों द्वारा स्वास्थ्य कर्मियों को तत्काल कार्यस्थल पर प्रशिक्षण (ऑन-साइट ट्रेनिंग) प्रदान किया गया, ताकि कार्यक्रमों का गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

इनका दिया प्रशिक्षण

बैठक में अनमोल पोर्टल, कुल एएनसी पंजीयन, प्रथम तिमाही एएनसी पंजीयन, चार एएनसी जांच, मध्यम एवं गंभीर एनीमिया की पहचान एवं प्रबंधन, पीआईपीवी, डिलीवरी अपडेटेशन, एनसीडी कार्यक्रम, मातृ मृत्यु समीक्षा, शिशु मृत्यु समीक्षा, परिवार नियोजन, एचबीएनसी, आशा पोर्टल, नियमित टीकाकरण, एचएमआईएस, डीपीडीआई सर्विलेंस, मीजल्स आउटब्रेक प्रबंधन तथा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम सहित अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ कार्यस्थल पर प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

जिला प्रशासन व डालमिया सीमेंट प्रबंधन ने की किसानों से चर्चा

एएससी से मिलेगा वार्षिक मुआवजा, जमीन के रहेंगे मालिक

नगर संवाददाता ■ सतना

किसानों, जिला प्रशासन के अधिकारियों और डालमिया सीमेंट के प्रतिनिधियों ने यमुना और शासनकाल रामपुर बघेलान में एक संवादपरक बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक का उद्देश्य कंपनी की प्रस्तावित लाइमस्टोन खनन परियोजना के लिए वार्षिक सतह मुआवजा (एएससी) ढांचे के कार्यान्वयन पर चर्चा करना था। यह बैठक हितधारकों से जुड़ने की प्रक्रिया का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य खनन लीज़, भूमि स्वामित्व और मुआवजे को नियंत्रित करने वाले वैधानिक ढांचे के बारे में जागरूकता पैदा करना है। यह चर्चा इस वर्ष की शुरुआत में हुए पिछले परामर्शों के बाद आयोजित की गई है। इसने किसानों को वैधानिक ढांचे के तहत उपलब्ध कानूनी प्रावधानों, मुआवजा प्रणाली और सुरक्षा उपायों पर स्पष्टीकरण मांगने का अवसर प्रदान किया।

वार्षिक सतह मुआवजा ढ़ाचे पर किया जागरूक

सभा को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 24, और खनिज रियायत नियम, 2016 के नियम 52 और 53 के तहत, भारत सरकार ने वार्षिक सतह मुआवजे के माध्यम से खनन भूमि तक पहुंच को आसान बनाने का एक ढांचा तैयार किया है। यह ढांचा खनिज विकास को सक्षम बनाता है और साथ ही यह भी सुनिश्चित करता है कि भूमि का स्वामित्व किसान के पास ही बना रहे।

प्रति एकड़ होगी 93 हजार की आमदनी

बैठक के दौरान साझा किए गए सांकेतिक अनुमानों के अनुसार, इस ढांचे के तहत भाग लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ लगभग 93,000 का वार्षिक मुआवजा मिल सकता है जो हर साल 5प्रतिशत से 7प्रतिशत तक बढ़ेगा, जबकि इसकी तुलना में औसत कृषि आय लगभग 25,000-30,000 प्रति एकड़ है। इसके साथ ही, लीज़ अवधि के दौरान अपनी भूमि पर उनका मालिकाना हक भी लगातार बना रहेगा। कंपनी ने दोहराया कि वह कार्यान्वयन की पूरी प्रक्रिया के दौरान किसानों, स्थानीय समुदायों और जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी चिंताओं का समाधान पारदर्शी तरीके से और वैधानिक प्रावधानों के अनुसार किया जाए।

बागेश्वर धाम सतना शिष्य मंडल ने धूमधाम से मनाया पं धीरेन्द्र शास्त्री का जन्मोत्सव

नगर संवाददाता ■ सतना

श्री बागेश्वर धाम सरकार सतना नगर शिष्य मंडल की अगुवाई में 4 जुलाई शनिवार को गुरुदेव पं. धीरेन्द्र शास्त्री का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम सुबह 8 बजे बाबूपुर नीमी सिध्द गणेश मंदिर में फलदार वृक्षों का रोपड़ कर वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

तत्पश्चात 11 बजे कलेक्टर बंगला के सामने दिव्यांग छात्रावास में संगीत वाद्य यंत्र हारमोनियम झांझ मंजीरा के साथ खेल सामग्री फुटबॉल लूडो भेंट कर शिष्य मंडल एवं दिव्यांग बच्चों व्दारा हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। तत्पश्चात सभी दिव्यांग बच्चों एवं सतना शिष्य मंडल ने जन्मोत्सव पर केक काट कर हर्षोल्लास से जन्मोत्सव मनाया। सायं 5 बजे भरहुत नगर हनुमान मंदिर में संगीत मय सुंदर काण्ड एवं विशाल खिचड़ी भंडारे का भव्य आयोजन सतना शिष्य मंडल व्दारा किया गया।

इस अवसर पर शिष्य मंडल प्रभारी विकास तिवारी, सहप्रभारी सविता अग्रवाल, मंदिर पुजारी प्रकाश मिश्रा, सीताराम मिश्रा अजय शर्मा डा. मधू गुप्ता, मंजू जैन,किरण मिश्रा, आशा अग्रवाल आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त समाचार

सरकार की उपेक्षा से मर्माहत हैं स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारः जितेन्द्र रघुवंशी

रीवा। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति (रजि.) की मध्य प्रदेश इकाई रीवा संभाग द्वारा राज निवास गेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता आयोजित की गयी, जिसमें समिति के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र रघुवंशी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव में प्रधानमंत्री जी द्वारा आजादी के शताब्दी समारोह तक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सपनों का भारत बनाएंगे की घोषणा की गई थी, बाद में भी विभिन्न मंचों से प्रधानमंत्री ने इस संकल्प को दोहराया है, किंतु स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सपने क्या थे, यह जानकारी सरकार को कहां से मिलेगी? यह तो उनके वंशज ही बता पाएंगे। प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवार अपनी भूमिका कैसे निभाएं? यह मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवार सम्मेलन स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति (रजि.) के तत्वावधान में 5 जुलाई 2026 को कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम रीवा में प्रातः 9.30 बजे से 1.30 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए रघुवंशी ने कहा कि हम अपने पूर्वजों के सपनों को साकार करने में सरकार के साथ सहयोगी के रूप में भूमिका निभाना चाहते हैं, किंतु सरकार की उपेक्षा से इतना विशाल परिवार मर्माहत है। इस दौरान संगठन सचिव कपूर सिंह दलाल,डॉ. राजा भइया मिश्रा ,डॉ ज्योति सिंह, जिलाध्यक्ष प्रसन्न सिंह परिहार ने भी अपने विचार रखे।

100 प्रतिशत सफल परीक्षा परिणाम के बाद भी नियुक्ति में रोड़ा बन गया नियमः नारी चेतना मंच

रीवा। नारी चेतना मंच एवं समता सम्पर्क अभियान ने इस बात पर आक्रोश व्यक्त किया है कि लंबे समय से शासकीय विद्यालयों में अतिथि शिक्षक के रूप में अध्यापन कार्य कर रहे हजारों शिक्षकों को लोक शिक्षण संचालनालय के द्वारा नए नियमों का हवाला देकर संबंधित पद पर पुनः कार्यभार ग्रहण से वंचित रखा जा रहा है। लोक शिक्षण संचालानालय के नए निर्देशानुसार पिछले शैक्षणिक सत्र में अध्यापन कार्य में 90 प्रतिशत से कम उपस्थिति होने पर अतिथि शिक्षकों को मौजूदा शैक्षणिक सत्र 2026- 27 में नियुक्ति नहीं दी जा रही है। अतिथि शिक्षक लंबे समय से अध्यापन कार्य कर रहे हैं लेकिन पर्याप्त योग्यता रखने के बाद भी उन्हें अभाव का जीवन जीने को विवश होना पड़ रहा है। काम अधिक लेकिन मानदेय बहुत कम है। कभी भी हटाया जा सकता है। समान कार्य पर समान वेतन नहीं मिल रहा है। अतिथि शिक्षकों के द्वारा शैक्षणिक कार्य को पूर्ण निष्ठा समर्पण लगन मेहनत और ईमानदारी से पूरा करने में कोई कसर नहीं रखी जाती है। संबंधित विषय में कक्षा के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 100 प्रतिशत होने के बावजूद 90 प्रतिशत से कम उपस्थिति के चलते उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

उच्च शिक्षा मंत्री ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का किया अनावरण

■ देश को विश्वगुरू बनाने का सपना नई शिक्षा नीति साकार करेगीःश्री परमार

नगर संवाददाता ■ रीवा

उच्च शिक्षा,तकनीकी शिक्षा तथा आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय परिसर में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा का अनावरण किया। उच्च शिक्षा मंत्री ने पौधे रोपित करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित विचार संगोष्ठी में उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार और दर्शन आज के युवाओं के लिए भी प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने सनातन,ज्ञान और धर्म की ध्वजा को पश्चिम के देशों में जाकर सफलतापूर्वक लहराया। स्वामी विवेकानंद के विचार भारतीय ज्ञान परंपरा के ध्वजवाहक हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक देश को विश्वगुरू बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री जी की पहल और प्रेरणा से सनातन परंपरा,भारतीय दर्शन और परंपरागत कौशल को समाहित करते हुए नई शिक्षा नीति का निर्माण किया गया है। मध्यप्रदेश में इसे प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। प्रधानमंत्री के देश को विश्वगुरू बनाने का सपना नई शिक्षा नीति साकार करेगी।

स्वामी विवेकानंद के विचार ऐसे सूर्य हैं जो कभी अस्त नहीं होतेः श्री सुखाड़िया

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारत में हजारों साल से ज्ञान,विज्ञान,कला,साहित्य और धर्म का अपरिमित उत्कर्ष था। अंग्रेजों की शिक्षा प्रणाली ने हमारी सनातन हमारी शिक्षा पद्धति को नष्ट कर दिया। भारत पर प्राचीन काल से ही लगातार आक्रमण हुए। ये सभी आक्रमण देश के वैभव,संपन्नता और प्रचुर सम्पत्ति को लूटने के लिए हुए। देश पर आक्रमण करने वाले सिकंदर जैसे आक्रांताओं को महान कहने का इतिहास पढ़ाया गया, लेकिन देश के प्राचीन गौरव को भुला दिया गया। हमारी वसुधैव कुटुम्बकम की परंपरा को स्वामी विवेकानंद ने विश्वभर में स्थापित किया। कार्यक्रम में विचारक चेतस सुखाड़िया ने कहा कि चार जुलाई 1902 को मात्र 39 वर्ष की आयु में स्वामी विवेकानंद जी परमात्मा के पास चले गए लेकिन उनके विचार आज भी पूरी दुनिया को प्रेरित कर रहे हैं। जब देश राजनैतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से पराधीन था तब स्वामी जी ने अमेरिका में जाकर भारतीय ज्ञान और दर्शन का ध्वज लहराया। उनके विचारों से प्रेरणा लेकर लाखों युवाओं ने देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। स्वामी विवेकानंद के विचार ऐसे सूर्य हैं जो कभी अस्त नहीं होते हैं।

विवि. में विवेकानंद विचार पीठ तथा ध्यान केन्द्र की स्थापना की जाएगीः प्रो.कुड़रिया

समारोह में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रघुराज तिवारी ने कहा कि हिन्दुत्व जीवन की पद्धति और विचारधारा है। स्वामी विवेकानंद के विचार युवा अपने मन में उतारकर सभी संशय दूर कर सकते हैं। नैतिक आधार पर ही शिक्षा कारगर होगी। डॉ. अजय तिवारी ने भी कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर राजेन्द्र कुड़रिया ने कहा कि विश्वविद्यालय में विवेकानंद विचार पीठ तथा ध्यान केन्द्र की स्थापना की जाएगी। विश्वविद्यालय में इसी वर्ष से गुजराती और सिंधी का कोर्स आरंभ हो रहा है। उन्होंने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, कुलसचिव सुश्री नीरजा नामदेव तथा प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इंजीनियरिंग कालेज को तकनीकी शिक्षा का उत्कृष्ट केन्द्र बनाएंः तकनीकी शिक्षा मंत्री

शासकीय इंजीनियरिंग कालेज रीवा में संचालक मण्डल तथा सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उच्च शिक्षा,तकनीकी शिक्षा तथा आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि रीवा इंजीनियरिंग कालेज का गौरवशाली इतिहास है। इसे तकनीकी शिक्षा का उत्कृष्ट केन्द्र बनाएं। विद्यार्थियों को रोजगार के अच्छे अवसर देने वाले तथा आधुनिक तकनीक से जुड़े पाठ्यक्रमों को शुरू करें। कालेज में 5 नए स्नातक कोर्स तथा 9 पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दी जा रही है। कालेज में पीएचडी की सुविधा के लिए फीस निर्धारण तथा अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। बैठक में कालेज के प्राचार्य तथा सदस्य सचिव डॉ.आरपी तिवारी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में सांसद जनार्दन मिश्र तथा विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति ने उपयोगी सुझाव दिए। बैठक में आरएस शर्मा डॉ. सुधीर सिंह भदौरिया, विष्णु अग्रवाल,भरत मिश्रा,डॉ. सुनील कुमार पाण्डेय तथा समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

विन्ध्य में आयुष औषधियों का भण्डार हैः आयुष मंत्री

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय की सामान्य सभा की बैठक कालेज के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा तथा आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि सामान्य सभा की बैठक समय पर आयोजित करें। स्वशासी महाविद्यालय का वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक प्रबंधन शासन के मापदण्डों के अनुसार करें। वर्ष 2026.27 में विभिन्न मदों में व्ययक की जाने वाली राशि के प्रस्ताव पहले कार्यकारिणी समिति से अनुमोदन कराने के बाद सामान्य सभा में प्रस्तुत करें। मंत्री श्री परमार ने कहा कि विन्ध्य में आयुष औषधियों का भण्डार है। आयुर्वेद कालेज और अस्पताल को निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर करें। नए कालेज भवन निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजें। वर्तमान में जारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। कालेज के रिक्त पदों की पूर्ति की जाएगी। बैठक में कालेज के प्राचार्य दीपक कुलश्रेष्ठ ने बताया कि कालेज की स्थापना 1973 में की गई थी। इसका संचालन स्वशासी रूप में किया जा रहा है। बैठक में सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, विन्ध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. पंचूलाल प्रजापति, जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता तथा सामान्य सभा के सदस्य उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षा मंत्री से की गई विश्वविद्यालयीन अनियमितताओं के जांच की मांग

■ छात्र नेता अमन ने सौंपा ज्ञापन,व्यापक आंदोलन की कही गई बात

नगर संवाददाता ■ रीवा

शनिवार को विश्वविद्यालय रीवा में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे उच्च शिक्षा मंत्री को रोककर छात्र नेता अमन सिंह बघेल ने एपीएसयू रीवा की वित्तीय अनियमितताओं, प्रशासनिक अव्यवस्था, छात्रों के साथ भेदभाव, परीक्षा व्यवस्था की खामियों, बढ़ती फीस, विलंबित शैक्षणिक सत्र तथा विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि विश्वविद्यालय में लंबे समय से गंभीर अनियमितताएं व्याप्त हैं, जिससे हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। परीक्षा फॉर्म एवं प्रवेश पत्रों में लगातार त्रुटियाँ, अंतिम समय में परीक्षा संबंधी आदेशों में बदलाव, बढ़ी हुई फीस, समय पर परीक्षाएँ एवं परिणाम न होना तथा प्रशासन की जवाबदेही का अभाव छात्रों में भारी असंतोष का कारण बन रहा है। ज्ञापन में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यों की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई।

पुलिस ने किया गिरफ्तार,बाद में छोड़ा

बताया जा रहा है कि उच्च शिक्षा मंत्री ने छात्र नेता अमन सिंह बघेल से ज्ञापन तो ले लिया लेकिन छात्रों का पक्ष सुनने के संबंध में उन्होंने कहा कि कार्यक्रम से वापसी दौरान पक्ष सुना जाएगा। छात्र नेता अमन के नेतृत्व में छात्र उच्च शिक्षा मंत्री के समक्ष अपनी बात को रख पाते उससे पहले ही विश्वविद्यालय पुलिस ने छात्र नेता अमन को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि बाद में उन्हें छोड़ दिया गया।

चंदा चोरी के मुद्दे की आड़ में राष्ट्रीय प्रश्नों से जनता का ध्यान भटकाने की साजिशः मास्टर बुद्धसेन

नगर संवाददाता ■ रीवा

राष्ट्रीय मतदाता जागृति मंच, मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष मास्टर बुद्धसेन पटेल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि वर्तमान समय में सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही अपने-अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए राम मंदिर में हुए चंदा चोरी के प्रकरण को असामान्य रूप से प्रमुखता देकर राष्ट्रीय महत्व के मूल मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने का सुनियोजित प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर सत्ता पक्ष यह घोषणा कर रहा है कि चोरों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, वहीं दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन के सहयोगी दल पदयात्रा, प्रदर्शन और आंदोलन के माध्यम से चंदा चोरी के आरोपियों को कठोरतम दंड, यहां तक कि फांसी की सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। यह पूरा घटनाक्रम ऐसा प्रतीत होता है मानो सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की राजनीति का केंद्र केवल यही एक विषय बन गया हो। इससे आम जनता का ध्यान अपने संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक न्याय, आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों से हटाकर केवल एक घटना तक सीमित करने का प्रयास किया जा रहा है। श्री पटेल ने कहा कि देश के सामने आज सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों में जातिगत जनगणना प्रमुख है। जातिगत जनगणना के माध्यम से समाज के वास्तविक सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्वरूप का आकलन संभव होगा, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र एवं वंचित वर्गों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचाया जा सकेगा, साथ ही 'जिसकी जितनी संख्या, उसकी उतनी भागीदारी' के सिद्धांत को व्यवहार में लागू करने का मार्ग भी प्रशस्त होगा, इसी प्रकार महिलाओं की वास्तविक जनसंख्या एवं सामाजिक स्थिति का भी स्पष्ट आकलन संभव होगा, जिससे उनकी समुचित एवं न्यायसंगत भागीदारी सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने सत्ता पक्ष एवं विपक्ष, दोनों को बिना मांगी सलाह देते हुए कहा कि यदि वास्तव में देश को समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर बनाना है, तो केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और भावनात्मक मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय जनता के बीच वैज्ञानिक सोच, तार्किक दृष्टिकोण और अंधविश्वास-मुक्त समाज के निर्माण का व्यापक अभियान चलाया जाना चाहिए।

बैंक के बाहर खड़ी बाइक को उड़ा ले गये चोर, सीसीटीवी में घटना कैद

नगर संवाददाता ■ रीवा

हनुमना थाना क्षेत्र में वाहन चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को यूनियन बैंक के बाहर सड़क किनारे खड़ी एक मोटरसाइकिल कुछ ही मिनटों में चोरी हो गई। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, केसरी लाल गुप्ता अपने निजी कार्य से यूनियन बैंक पहुंचे थे। उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 17 जेड 8287 बैंक के बाहर सड़क किनारे खड़ी की थी। इसी दौरान अज्ञात चोर मौके पर पहुंचा और पहले वहां खड़ी दूसरी बाइक में चाबी लगाने का प्रयास किया।

सफलता नहीं मिलने पर उसने केसरी लाल की बाइक का लॉक तोड़कर वाहन लेकर फरार हो गया। पीड़ित के अनुसार, घटना के बाद जब वह शिकायत दर्ज कराने हनुमना थाने पहुंचे तो तत्काल रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई और उन्हें अगले दिन आने के लिए कहा गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस पर कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

महाविद्यालयीन अतिथि विद्वान महासंघ ने मंत्री परमार का किया स्वागत

नगर संवाददाता ■ रीवा

एक दिवसीय दौरे पर रीवा आए प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार नें बड़ी बात अतिथि विद्वानों के लिए कही। मंत्री से अतिथि विद्वान महासंघ का एक प्रतिनिधि मंडल शौजन्य मुलाक़ात कर स्वागत किया एवं अपने स्थाइत्व,समायोजन की बात रखी जिस पर विभागीय मंत्री नें स्पष्ट कहा कि अतिथि विद्वानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है वो उच्च शिक्षा विभाग के अंग है आपकी चिंता सरकार को है और सरकार आपकी चिंता कर रही है। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व कर रहें महासंघ के प्रदेश मिडिया प्रभारी डॉ आशीष पाण्डेय नें बताया कि उच्च शिक्षा मंत्री का दिली आभार महासंघ प्रकट करता है। इस अवसर पर अतिथि विद्वान डॉ रमेश पाठक,डॉ विकास पाण्डेय,डॉ अश्वनी पाण्डेय,डॉ संतोष तिवारी,डॉ गुप्ता एवं डॉ के के वर्मा उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री व रीवा सांसद ने ग्वालियर व रीवा के लिए मांगी थी ट्रेन

नई रेल गाड़ी मिलने पर प्रधानमंत्री व रेल मंत्री का जताया आभार

■ 8 जुलाई को ग्वालियर से रीवा आएगी नई ट्रेन उसी दिन वापस जाएगी ग्वालियर

नगर संवाददाता ■ रीवा

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने रीवा ग्वालियर के मध्य नयी रेल गाड़ी की सौगात विंध्य क्षेत्र को दिये जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का विंध्यक्षेत्र की जनता की ओर से आभार जताया है। रीवा से ग्वालियर के बीच नई रेल गाड़ी की सुविधा मिलने पर भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि रीवा ग्वालियर के बीच नई रेलगाड़ी चलने से विंध्यक्षेत्र के यात्री सुविधा के साथ व्यापारिक औद्योगिक क्षेत्र में व्यापक प्रभाव पड़ेगा और सीधे ग्वालियर से व्यापारिक रिश्ते प्रगाढ़ होंगे। रीवा सांसद प्रतिनिधि रेलवे राजीव खंडेलवाल ने रीवा ग्वालियर ट्रेन के संचालन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि ट्रेन संख्या 041 91 जो ग्वालियर से 8 जुलाई को सुबह 7.40 पर रवाना होगी,ग्वालियर से डबरा दतिया पीतांबरा पीठ झांसी निवाड़ी मऊरानीपुर हरपालपुर महोबा बांदा चित्रकूट धाम होते हुए सतना के कैम स्टेशन से रीवा पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 22 एचपी कोच लगाए जाएंगे जिसमें 7 स्लीपर क्लास 4 थर्ड एसी तीन डिब्बे इकोनामिक थर्ड एसी के 2 सेकंड एसी के डिब्बे एवं चार जनरल कोच एवं एक दिव्यांग कोच लगाया जाएगा। 8 जुलाई को ही स्वयं 9 बजे रीवा से यह ट्रेन ग्वालियर के लिए गुजरेगी ,ग्वालियर 9.40 में सुबह पहुंचेगी। रीवा ग्वालियर ट्रेन मिलने पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल,नगर निगम अध्यक्ष वेंकटेश पांडे, महाबली गौतम नारायण मिश्रा,राजेंद्र त्रिपाठी,योगेंद्र शुक्ला,दीनानाथ वर्मा नेता प्रतिपक्ष नगर निगम, जिला महामंत्री उमाशंकर पटेल ,विवेक गौतम,जीवनलाल साकेत,जिला उपाध्यक्ष प्रबोद व्यास,मनीष पाठक ,राजेश सिंह ,शरद साहू,गीता माझी,बृजेंद्र गौतम,जिला कोषाध्यक्ष वासुदेव ढारवानी श्रीमती विभा पटेल,कमलेश सचदेवा सहित भाजपा नेताओं ने रीवा से ग्वालियर नई रेल मिलने पर उपमुख्यमंत्री एवं सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया।

एनएसयूआई ने विवि. की अव्यवस्थाओं को लेकर उच्चा शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नगर संवाददाता ■ रीवा

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) रीवा के जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में आज मध्यप्रदेश के शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के रीवा आगमन पर अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में व्याप्त भ्रष्टाचार, शैक्षणिक अव्यवस्थाओं, प्रशासनिक लापरवाही एवं छात्र विरोधी कार्यप्रणाली के विरोध में विस्तृत ज्ञापन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच एवं दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में विश्वविद्यालय द्वारा संबल, मेधावी एवं छात्रवृत्ति जैसी शासकीय योजनाओं की राशि समय पर विद्यार्थियों को न दिए जाने, वर्षों से लंबित शुल्क वापसी, परीक्षा एवं परिणामों में लगातार देरी, यूजीसी मानकों की अनदेखी कर अतिथि विद्वानों की नियुक्तियों, कुलगुरु की कार्यप्रणाली एवं नियमित अनुपस्थिति, शासकीय संसाधनों एवं यात्रा भत्तों के दुरुपयोग की शिकायतों की निष्पक्ष जांच की मांग की गई। इसके साथ ही एमएससी प्रथम सेमेस्टर की लंबित परीक्षाओं, सुरक्षा गार्ड एवं आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन संबंधी अनियमितताओं, विभागाध्यक्ष नियुक्तियों में पारदर्शिता के अभाव, प्रशासनिक एवं वित्तीय निर्णयों में कथित अनियमितताओं, विश्वविद्यालय में स्थायी छात्र सहायता केंद्र की स्थापना तथा कुलपति कार्यालय में पदस्थ अनुभाग अधिकारी मनोज विश्वकर्मा के प्रभाव एवं प्रशासनिक हस्तक्षेप से संबंधित शिकायतों की भी स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग उठाई गई।

संपादकीय

'राम सेवकों' का 'रामद्रोह'

अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव एवं विहिप के उपाध्यक्ष चंपत राय बंसल ने इस्तीफा तो दे दिया है, अब उनकी मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं। अनिल मिश्रा ने भी ट्रस्ट सदस्य के तौर पर इस्तीफा दे दिया है। प्रभु श्रीराम की प्रतिमा प्राण-प्रतिष्ठा के जो अनुष्ठान किए गए थे, अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी ने 'यजमान' की भूमिका निभाई थी। ऐसा व्यक्ति 'पतित' कैसे हो सकता है? राम मंदिर के भीतर जो चढ़ावा चोरी की गई है, वह 'महापाप' ही नहीं, बल्कि 'रामद्रोह' भी है। यह देशद्रोह से भी जघन्य अपराध है, गंभीर है, संवेदनशील है, क्योंकि करोड़ों आस्थाओं को लूटा गया है। एक संगठित गिरोह के तौर पर उन्होंने ही प्रभु राम के दान-चढ़ावे को लूटा है, जिनके चेहरों पर 'राम सेवक' के मुखौटे थे। उनमें से अधिकतर न्यायिक हिरासत में जेल के भीतर हैं, लेकिन पुलिस भी विशेष जांच टीम की अंतरिम रपट को ही पूर्ण साक्ष्य मान रही है, लिहाजा जेलगामी 'राम सेवक' जमानत पर भी बाहर आ सकते हैं! ये हिरासतें 'छोटी मछलियों' की हैं। आश्चर्य है कि न तो विशेष जांच टीम की कथित रपट में और न ही प्राथमिकी में चंपत राय और अनिल मिश्रा सरीखी 'बड़ी मछलियों' के नाम, आरोपितों की जमात में, दर्ज किए गए हैं। करोड़ों के जमीन-सौदों के दस्तावेजों पर चंपत राय और अनिल मिश्रा के ही दस्तखत हैं। तो फिर ये चेहरे आरोपी क्यों नहीं हैं? मामला निष्ठाओं का नहीं, नीयत और साक्ष्यों का है। मंदिर का ट्रस्ट क्या प्रधानमंत्री दफ्तर को ब्यौरे देने से इंकार कर सकता है? ट्रस्ट केंद्र सरकार ने ही गठित किया था। राम मंदिर के ऐसे ट्रस्ट को अभी तक भंग क्यों नहीं किया गया? क्योंकि चंपत राय मूलत: संघ के प्रचारक रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी भी संघ के प्रचारक थे! क्या चंपत राय, अनिल मिश्रा, नृपेन्द्र मिश्रा से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही राम मंदिर के ठेकेदार हैं? करोड़ों रुपए की चोरी के आरोप हैं, खरीदी गई जमीनों में घपले के सवाल हैं, चंपत राय ट्रस्ट के सर्वेसर्वा रहे हैं, तो उन्हें आरोपी क्यों नहीं बनाया गया? शक तो यह भी है कि इनके जरिए 'और बड़ी मछलियां' बेनकाब हो सकती हैं! बहरहाल अब ट्रस्ट स्तब्ध, आहत, दुखी महसूस कर रहा है। ट्रस्ट ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की है, जो न तो लेटरहेड पर है और न ही उस पर किसी अधिकृत पदाधिकारी के हस्ताक्षर हैं। अलबत्ता ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि का नाम जरूर टंकित किया गया है। ट्रस्ट का आरोप है कि कुछ असामाजिक, अधार्मिक, स्वार्थी तत्वों ने सनातन पर लांछन लगाने की कोशिश की है। ये लांछन नहीं, यथार्थ है, क्योंकि आम रामभक्तों ने सवाल उठाए हैं। कमोबेश 79.85 लाख रुपए से अधिक की नकदी तो बरामद की गई है। वे लुटेरे तो 'राम सेवक' कहे जाते थे! ट्रस्ट ने विज्ञप्ति के जरिए उन दानदाताओं को आश्वस्त करने का प्रयास किया है, जिन्होंने 200 किलो, 60 किलो की चांदी की ईंटें, काकभुशुंडी की चांदी की प्रतिमा, सोने-हीरे के आभूषण, प्रभु की चरण-पादुका आदि भगवान राम को अर्पित की थीं। उद्धव ठाकरे ने भी 4 किलो चांदी की ईंटें और 1 करोड़ रुपए नकद राम मंदिर में दान दिए थे। सवाल है कि किसी को भी रसीद क्यों नहीं दी गई? दानदाता के साथ फोटो खिंचवाने से इंकार क्यों किया गया? अब यदि ये दान सुरक्षित और उपलब्ध हैं, तो उनकी फोटो सार्वजनिक क्यों न की जाए? यह तथ्य भी सामने आया है कि मंदिर में 40 दिनों के अंतराल में 70 बार चोरी की गई। कितना संगठित और साजिशकार गिरोह रहा होगा? विपक्ष इस मसले को खूब जोर-शोर से उठा रहा है। सरकार ने विपक्ष को बोलने का मौका खुद ही दे दिया है।

भाई-बहन की जोड़ी मोदी-ताकाइची ने रचा इतिहास

हिंद प्रशांत में संतुलन की नई धुरी बने भारत-जापान

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री ताकाइची की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी करते हुए संबंधों को और गहरा करने का संकल्प दोहराया।

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारत और जापान ने अपने विशेष सामरिक वैश्विक साझेदारी संबंधों को नई मजबूती देते हुए नई दिल्ली में आज कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के बीच हुए वार्षिक शिखर सम्मेलन में आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपूर्ति श्रृंखला और हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों ने साफ संकेत दिया कि बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और जापान अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि एक दूसरे के भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी बनकर उभर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री ताकाइची की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी करते हुए संबंधों को और गहरा करने का संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताकाइची को अपनी छोटी बहन बताते हुए भारत और जापान के बीच बौद्ध सांस्कृतिक संबंधों का भी उल्लेख किया, विशेषकर जापान के नारा प्रांत से भारत के ऐतिहासिक जुड़ाव को रेखांकित किया। वहीं ताकाइची ने भी मोदी को अपना बड़े भाई बताया और कहा कि दोनों देशों के संबंध अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं।

वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग रहा। दोनों देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में संयुक्त वक्तव्य जारी किया और भारतीय तथा जापानी संस्थानों के बीच कई समझौते हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान की सूक्ष्म तकनीकी क्षमता और भारत की साफ्टवेयर विशेषज्ञता का मेल वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास को नई दिशा देगा। यह सहयोग केवल तकनीकी नहीं बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया में तकनीकी प्रतिस्पर्धा तेजी से भू राजनीतिक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर रही है।

रक्षा क्षेत्र में भी दोनों देशों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। भारत और जापान ने अपने पहले संयुक्त रक्षा विकास परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह परियोजना नौसैनिक रेडियो एंटीना प्रणाली यूनिकॉर्न के सह विकास से संबंधित है। इस समझौते को हिंद प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम कदम माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि दोनों देश क्वॉड समूह के सदस्य हैं, जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। चीन की बढ़ती समुद्री आक्रामकता और दक्षिण चीन सागर से लेकर पूर्वी चीन सागर तक बदलते सामरिक समीकरणों के बीच यह रक्षा सहयोग विशेष महत्व रखता है।

साथ ही भारत और जापान ने ऊर्जा सुरक्षा तथा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने पर भी सहमति जताई। सेमीकंडक्टर, दुर्लभ खनिज, धातु और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए साझा रूपरेखा तैयार की जाएगी। दोनों देशों ने स्थानीय मुद्रा में व्यापार व्यवस्था पर भी चर्चा की, जिसके तहत रुपये और येन में सीधे व्यापार की संभावना पर काम होगा। इससे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम हो सकती है और दोनों अर्थव्यवस्थाओं को अधिक रणनीतिक स्वायत्तता मिलेगी।

साथ ही जापान ने अगले दस वर्षों में भारत में दस ट्रिलियन येन निवेश करने की घोषणा दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी की जाएगी। वर्तमान में जापान भारत के सबसे बड़े निवेशकों में शामिल है और मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन रेल परियोजना सहित कई आधारभूत ढांचा योजनाओं में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 27.5 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। जापान की प्रधानमंत्री के साथ आया बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी इस बात का स्पष्ट संकेत था कि टोक्यो भारत में निवेश बढ़ाने जा रहा है।

साथ ही दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति मिली है। औषधि, चिकित्सा उपकरण और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े समझौतों के माध्यम से दोनों देशों ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान देने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की व्यापक उत्पादन क्षमता और जापान की गुणवत्ता आधारित तकनीक मिलकर विश्व को सस्ती और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा सकती हैं। इसके साथ ही भारत जापान जैव गैस पहल के अंतर्गत भारत में एक हजार जैव गैस और जैविक उर्वरक संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

देखा जाये तो यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है। चीन की सैन्य सक्रियता, आपूर्ति श्रृंखलाओं पर वैश्विक प्रतिस्पर्धा, ऊर्जा संकट और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को लेकर बढ़ती चिंताओं ने भारत और जापान को और करीब ला दिया है। अमेरिका की विश्वसनीयता को लेकर उठते सवालों के बीच टोक्यो अब नई दिल्ली को अपने सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारों में देख रहा है। भारत भी जापान को केवल निवेशक नहीं बल्कि दीर्घकालिक सामरिक सहयोगी के रूप में देख रहा है।

हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री मोदी और पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे के बीच गहरे व्यक्तिगत संबंधों ने भी इस साझेदारी को मजबूती दी थी। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी की जापान यात्राओं से शुरू हुआ यह संबंध अब व्यापक सामरिक साझेदारी का रूप ले चुका है। वर्तमान वार्ता ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले वर्षों में भारत जापान संबंध एशिया की सबसे निर्णायक रणनीतिक धुरी बन सकते हैं।

देखा जाये तो भारत और जापान की बढ़ती दोस्ती का प्रभाव केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे एशिया और वैश्विक शक्ति संतुलन पर दिखाई देगा। लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक सहयोग और सामरिक विश्वास पर आधारित यह साझेदारी हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और शांति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। चीन की बढ़ती आक्रामकता, वैश्विक आपूर्ति संकट और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच भारत और जापान का साथ आना एशिया में एक नए रणनीतिक संतुलन का संकेत माना जा रहा है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी न केवल व्यापार, तकनीक और रक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलेगी, बल्कि विश्व राजनीति में भी एक भरोसेमंद और स्थिर शक्ति केंद्र के रूप में उभर सकती है।

व्हाट्सएप का नया फीचर

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

मानव स्वभाव बहुत जिज्ञासु होता है। जैसे ही सोशल मीडिया की क्रांति आई मनुष्य के लिए दुनियाभर में तुरंत सम्पर्क करना संभव हो गया। दुनिया के किसी भी व्यक्ति से बात करना पड़ोसी से बात करने जैसा हो गया है। घर की चारदीवारी में कम्प्यूटर, लैपटॉप और मोबाइल ने जगह बना ली। चाहे निजी उद्देश्य हो या व्यावसायिक संचार मनुष्य का काम आसान हो गया है। सोशल मीडिया साइटें संचार का एक महत्वपूर्ण घटक बन गई। सोशल मीडिया साइटें भौगोलिक दूरी के बावजूद दोस्तों, परिवार और समान विचारधारा वाले लोगों से जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं लेकिन सोशल मीडिया की शक्ति का दुरुपयोग होना इतना बढ़ चुका है कि अब इस पर नियंत्रण के उपाय खोजे जा रहे हैं।

सोशल मीडिया कम्पनियां नए-नए फीचर लाती रही हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनसे जुड़े रहें। कम्पनियां साइबर सुरक्षा की ओर ज्यादा ध्यान नहीं देतीं। अब व्हाट्सएप का नया फीचर विवादों से घिर गया है। व्हाट्सएप ने मैसेजिंग सेवा के 'यूजर नेम' फीचर को शुरू किया जिसमें वह धीरे-धीरे उपयोगकर्ताओं को पहली बार किसी अन्य उपयोगकर्ता से सम्पर्क करते समय अपने उपयोगकर्ता का नाम चुनने और अपना फोन नम्बर छुपाने की सुविधा देगा। यह एक वैक ल्पिक विशिष्ट पहचानकर्ता है जिसे उपयोगकर्ता अपने व्हाट्सएप खाते के लिए चुन सकता है। इसका उपयोग अन्य लोग भी उसे संदेश भेजने या कॉल करने के लिए कर सकते हैं जिससे उनका फोन नम्बर गोपनीय रहेगा। जब विशेषज्ञों ने इस फीचर के गलत इस्तेमाल की आशंकाएं जताईं तो गृह मंत्रालय ने इलैक्ट्रोनिक्स और आईटी मंत्रालय के समक्ष चिन्ता व्यक्त की। तब सरकार ने मेटा के स्वामित्व वाली व्हाट्सएप को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सरकार इस नए फीचर के जोखिम का मूल्यांकन करेगी और देखेगी कि क्या यह मौजूदा कानूनी ढांचे का उल्लंघन करता है। सरकार ने कम्पनी को निर्देश दिया है कि इस मामले पर परामर्श पूरा होने तक फीचर को लांच न किया जाए। ऐसी संभावना है कि कुछ शरारती तत्व प्रमुख हस्तियों, संस्थानों और संगठनों से मिलते-जुलते यूजरनेम या उनके मिलते-जुलते नामों का इस्तेमाल करके दूसरे यूजर्स को संदेश भेज सकते हैं और खुद को कोई और बता सकते हैं।

जो लोग तकनीकी रूप से इतने जानकार नहीं हैं कि अंतर समझ सकें, उनके लिए यह एक बड़ी चुनौती हो सकती है। हमने पहले ही देखा है कि शरारती तत्व व्हाट्सएप के जरिए डिजिटल गिरफ्तारियों जैसे फर्जीवाड़े कर रहे हैं और यह फीचर उन्हें और भी मदद कर सकता है एक बयान में व्हाट्सएप ने कहा कि वह इस साल के अंत तक धीरे-धीरे इन सुविधाओं को शुरू करने की योजना बना रहा है, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि उसने सुरक्षा उपाय किए हैं। नकली पहचान से बचाव के लिए हमने सबसे चर्चित नामोंङ्कजैसे सार्वजनिक हस्तियां, सरकारी संस्थाएं, मशहूर हस्तियां, सत्यापित मेटा खाते को सुरक्षित रखा है, ताकि उन पर केवल उनके असली मालिक ही दावा कर सकें और जाने-माने नामों से मिलते-जुलते नामों को भी सुरक्षित रखा गया है।

यद्यपि व्हाट्सएप का कहना है कि इसका इस्तेमाल करने के लिए उपयोगकर्ताओं को अभी भी फोन नम्बर की जरूरत होगी और उसने धोखाधड़ी से बचाव के लिए कई सुरक्षा उपाय शामिल किए हैं लेकिन विशेषज्ञों ने गम्भीर चिंताएं व्यक्त की हैं। साइबर ठग व्हाट्सएप पर यूजर नेम का गलत इस्तेमाल करके लोगों को धोखा दे सकते हैं। स्कैमर्स फोन नम्बर छुपाकर लोगों से सम्पर्क करेंगे। इससे इन्वेस्टमेंट स्कैम, फिशिंग और नौकरी स्कैम जैसे फ्रॉड बढ़ेंगे। व्हाट्सएप पर अभी मोबाइल नम्बर दिखाई देता है जिससे उस व्यक्ति की पहचान हो जाती है। अब यूजर नेम की वजह से उसको पहचानना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में अंजान लोगों पर भरोसा करना मुश्किल होगा। व्हाट्सएप पर ठगी से पहले नम्बर आ जाता था जिसकी वजह से मोबाइल नम्बर से पहचान करना आसान हो जाता था। अब यूजर नेम आधारित बातचीत से जांच एजैंसियों के लिए ट्रेस करना मुश्किल हो जाएगा। ब्रांड और बिजनेस की नकल करना आसान होगा जिससे लोगों को ठगना बहुत आसान होगा। आज की युवा पीढ़ी बढ़ती यौन विकृतियों के चलते जिस शैली में चैटिंग करती है उसमें बढ़ौतरी होगी और हो सकता है कि रोज-रोज नए-नए स्कैम सामने आएं।

इससे डिवाइस का डाटा और दूसरी सभी सूचनाएं चुराई गईं। सोशल मीडिया का उपयोग साइबर धमकियों, शर्मनाक टिप्पणियों, आपत्तिजनक यौन तस्वीरों और आपत्तिजनक वीडियोज के लिए किया जा रहा है। निजता का खुला उल्लंघन हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के अत्यधिक उपयोग और उनका मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव युवाओं के लिए चिंता का विषय है। सोशल मीडिया के उपयोग से लोगों के जुड़ने और संवाद करने के तरीके बहुत बदल चुके हैं। इसके चलते समाज में आपसी संवाद खत्म होता जा रहा है जो मानव स्वभाव के काले पक्ष को उजागर करता है। हमें अंधकार फैलाने वाला सोशल मीडिया नहीं चाहिए। फ्रॉड करने वाला या विकृतियां फैलाने वाला मीडिया नहीं चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि सरकार ऐसे फीचर पर पाबंदी लगाए। व्हाट्सएप का नया फीचर काफी हद तक टेलीग्राम के यूजर नेम सिस्टम जैसा ही है। नीट पेपर लीक विवाद के दौरान टेलीग्राम पर सवाल उठे थे और सरकार ने नीट री-एग्जाम के दौरान टेलीग्राम एप पर पाबंदी लगा दी थी।

मनुष्य का मन अनंत शक्ति का स्रोत है

कुमार सिद्धार्थ

मेरा विश्वास है कि मनुष्य का मन इस सृष्टि की सबसे महान शक्तियों का भंडार है। विचार केवल कल्पनाएं नहीं, बल्कि ऐसी जीवंत शक्तियां हैं, जो जीवन की दिशा बदल सकती हैं। केवल हमारा शरीर ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन भी हमारे मन के अधीन है। यदि हम नकारात्मक सोच का स्थान सकारात्मक विचारों को दें, तो अपने वातावरण, परिस्थितियों और भाग्य तक को बदल सकते हैं। 'मैं कर सकता हूं और मैं अवश्य करूंगा' का विश्वास मनुष्य को उन ऊंचाइयों तक पहुंचा देता है, जो असंभव प्रतीत होती हैं। इसके विपरीत, 'मैं नहीं कर सकता' का भाव मनुष्य की प्रगति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बन जाता है। विचार वास्तव में सजीव शक्तियां हैं। जैसे प्रकृति का प्रत्येक नियम अपना प्रभाव दिखाता है, वैसे ही विचारों का आकर्षण भी हमें वही परिस्थितियां प्रदान करता है, जिनकी हम कामना करते हैं या जिनसे हम भयभीत रहते हैं।मेरे विचार में कर्म करना ही असली धर्म है। हालांकि, केवल मन में अच्छे विचारों का होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जब वे निरंतर उत्साह, अनुशासन और कर्मठता के साथ कर्म में बदलते हैं, तभी सफलता की मजबूत नींव रखी जाती है। जो व्यक्ति अपने मन की शक्ति को कर्म में बदलना सीख लेता है, उसकी सफलता उतनी ही निश्चित होती है, जितनी कुशल धनुर्धर के हाथ से छोड़े गए बाण का लक्ष्य तक पहुंचना। प्रत्येक व्यक्ति को सोचने की पूरी आजादी है, लेकिन उसे अपने विचारों से दूसरों को आहत करने या किसी और की जिंदगी में अनावश्यक हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। वास्तव में प्रत्येक अपराध की शुरुआत मन में जन्म लेने वाले एक दूषित विचार से ही होती है। इसी कारण सबसे जरूरी है कि हम अपने मन का निरीक्षण करते रहें। जब मनुष्य अपने अंत:करण में उठने वाले विचारों, इच्छाओं और कमजोरियों को ईमानदारी से पहचानने लगता है, तब दूसरों को दोष देने का अहंकार स्वत: समाप्त होने लगता है।

जिसका मन पवित्र होता है, उसके लिए समस्त सृष्टि पवित्र बन जाती है। यही पवित्र मन धीरे-धीरे मनुष्य को इस सत्य तक पहुंचाता है कि शरीर, इंद्रियां और परिस्थितियां केवल साधन हैं; वास्तविक सत्ता आत्मा की है, जो इन्हीं के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करती है। जैसे-जैसे मन की चेतना परिपक्व होती है, मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप के और निकट पहुंचता जाता है। मानव चेतना का यही निरंतर विकास एक दिन उसे अपने असली अस्तित्व का बोध करा देता है।

मेरा विश्वास है कि जो मन, विश्वास, समर्पण और निष्कलुष प्रेम से भर जाता है, वह परमात्मा की करुणा को सबसे सहज रूप में अनुभव करता है। जैसे एक शिशु अपनी माता की गोद में पूर्ण सुरक्षा, असीम प्रेम और निश्चिंतता का अनुभव करता है, वैसे ही श्रद्धा से भरा मन स्वयं को ईश्वर के संरक्षण में अनुभव करता है।

पारिवारिक और सामाजिक पुनर्वास की मानवीय पहल

उमेश चतुर्वेदी

अभी हाल ही में पिता दिवस गुजरा है। इस दिन सोशल मीडिया समेत तमाम जगहों पर हुई चर्चाओं में एक बात प्रमुखता से छायी रही। ऐसा कहा गया कि पिता बनने के बाद लोगों की शख्सियत में बदलाव आ जाता है। चूंकि जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, लिहाजा इन दायित्वों के चलते कठोर से कठोर हृदय वाला व्यक्ति भी नरम हो जाता है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने जब पूर्व नक्सलियों की जबरिया कराई गई नसबंदी को खोलने वाले जटिल ऑपरेशन को हरी झंडी दिखाई, पता नहीं, उसके दिमाग में यह तथ्य था या नहीं। लेकिन उसकी इस कोशिश से कभी इंन्सानी खून से लाल रही बस्तर की धरती के कई आंगन किलकारियां गूंज रही हैं।

देश के एक तिहाई जिलों पर लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहा नक्सलवाद अब आखिरी सांसें गिन रहा है। गृहमंत्री अमित शाह के दावे के मुताबिक, 31 मार्च 2026 तक देश तकरीबन नक्सलमुक्त हो चुका है। इस दौरान सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ज्यादातर बड़े नक्सली कमांडर मारे जा चुके हैं, या कई ने आत्मसमर्पण कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2700 नक्सली आत्म समर्पण कर चुके है। इन पूर्व नक्सलियों के पुनर्वास के लिए केंद्रीय सहयोग के साथ नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें कई सारी योजनाएं चला रही हैं। नक्सलवाद से सर्वाधिक प्रभावित रहे छत्तीसगढ़ और झारखंड में आर्थिक सहयोग, रोजगार, घर आदि की सुविधाएं दी जा रही हैं। इससे नक्सलियों के पुनर्वास को गति मिली है। लेकिन पूर्व नक्सलियों के पुनर्वास कार्यक्रमों में एक अनूठी मुहिम चलाई जा रही है। यह विशेष मुहिम सिर्फ छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ही चला रही है। इस मुहिम को पारिवारिक और सामाजिक पुनर्वासन कहा जा सकता है।

दरअसल नक्सली संगठनों में फील्ड कार्य कर रहे नक्सलियों के लिए अमानवीय प्रथा थी। फील्ड में काम कर रहे कम उम्र के नक्सलियों की अमानवीय तरीके से जबरिया नसबंदी करा दी जाती थी, ताकि नक्सली कार्य करते वक्त वे अपना परिवार न बढ़ा सकें। नक्सली संगठनों में महिला नक्सली भी सक्रिय थीं, उनके बीच रिश्ते पनपने संभव थे। लेकिन उन रिश्तों से बच्चे ना हों, इसलिए पुरूष नक्सलियों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए मजबूर किया गया। जिनमें बहुत सारे नक्सलियों की उम्र बेहद कम थी। लेकिन सरकारी मुहिम के बाद जब उन्होंने आत्मसमर्पण किया तो उनके मन में भी परिवार बसाने और अपने घर-आंगन में किलकारी गूंजने की चाहत जगी। चूंकि इनकी नसबंदी हो चुकी थी, लिहाजा इन्हें मन-मसोस कर रह जाना पड़ता था। छत्तीसगढ़ सरकार इन्हीं समर्पित प्रजनन उम्र वाले नक्सलियों के लिए पारिवारिक तौर पर ज्यादा सक्रिय होने के लिए यह मानवीय पहल शुरू की है।

पशुपति यानी नेपाल से लेकर तिरूपति यानी आंध्र के जंगली गलियारे तक तूती बोलने के दौर में छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित था। खूंखार नक्सलियों के लिए कुख्यात इसी बस्तर संभाग से छत्तीसगढ़ सरकार ने मानवीय पहल शुरू की है। इसके तहत प्रजनन की उम्र वाले उन नक्सलियों का रिवर्स वैसेक्टॉमी शुरू किया है। नसबंदी करा चुके लोगों के लिए रिवर्स वासेक्टॉमी एक तरह से उनकी नसों को फिर से खोलने और उन्हें प्रजनन योग्य बनाने की जटिल प्रक्रिया है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने इस अनूठी पहल को यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के विशेषज्ञों की मदद से शुरू किया है। 14 जून तक के आंकड़ों के अनुसार, दो चरणों में 73 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी खोलने का ऑपरेशन पूरा किया जा चुका है। पहले चरण में 33 पूर्व नक्सलियों को खुशहाल जिंदगी गुजारने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया तो दूसरे चरण में 40 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी को खोला गया। पहले चरण में जिन 33 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी खोलने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है, उनमें से 27 के आंगन किलकारियों से गूंज रहे हैं। बस्तर के पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा के अनुसार, बस्तर के एक पूर्व नक्सली के घर दो महीने पहले ही बच्ची का जन्म हो चुका है। उस पूर्व नक्सली का परिवार इस बच्ची के साथ अपना पारिवारिक जीवन आनंद से बिता रहा है।

आमतौर नसबंदी खोलने के इस जटिल ऑपरेशन के लिए बड़े शहरों और महानगरों के सुविधा संपन्न अस्पतालों में जाना पड़ता है। लेकिन यह पहला मौका है, जब छत्तीसगढ़ के दूर-दराज के बस्तर संभाग में स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर इस जटिल ऑपरेशन प्रक्रिया को सफलता के साथ अंजाम तक पहुंचाया गया। इस पहल में बस्तर के जिला प्रशासन के साथ ही बस्तर पुलिस और यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के पश्चिमी जोन की बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका रही। यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और इंदौर निवासी डॉक्टर राजेश कुकरेजा का कहना है कि बस्तर जैसे इलाके में इतने बड़े स्तर पर नसबंदी खोलने का सफल ऑपरेशन किया जाना चिकित्सा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन की शुरूआत जगदलपुर के महारानी अस्पताल में की गई। इसके लिए विशेष शिविर आयोजित किए गए। जगदलपुर के जिला अस्पताल में नसबंदी खोलने के विशेष शिविरों में देश के जाने माने यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुशील राठी, डॉ. ललित शाह एवं डॉ. योगेश बरापात्रे सहित इंदौर के डॉ. राजेश कुकरेजा, पुणे के डॉ. सागर भालेराव और डॉ. राहुल, महाराष्ट्र के नांदेड़ के डॉ. अभिषेक, मुंबई के डॉ. निनाद तंबोली और डॉ. पार्थ मानेक के साथ ही रायपुर के डॉ. राहुल कपूर एवं डॉ. घनश्याम हटवार की टीम ने पूर्व नक्सिलियों का सफल ऑपरेशन किया है। इनके सहयोग के लिए छह स्थानीय डॉक्टरों सहित करीब 50 सदस्यों वाली मेडिकल टीम जुटी रही।

छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल बाकी राज्यों द्वारा नक्सलियों के आर्थिक और जमीनी पुनर्वास नीति से अलग है। विष्णुदेव साय सरकार की इस मानवीय पहल की प्रशंसा मेडिकल जगत के साथ ही समाजविज्ञानी भी कर रहे हैं। इस पहल के तहत शारीरिक और मेडिकल जांच के साथ ही प्रजनन योग्य पाए जाने वाले नक्सलियों के ही ऑपरेशन किए जाते हैं। इनमें चालीस साल तक की उम्र वाले पूर्व नक्सलियों को ही प्राथमिकता दी जाती है। जगदलपुर के महारानी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर संजय प्रसाद के मुताबिक, राज्य सरकार की पहल पर जल्द ही तीसरे चरण का भी शिविर लगाने की तैयारी है, जिसमें दो दर्जन से ज्यादा पूर्व नक्सलियों के ऑपरेशन किये जायेंगे।

छत्तीसगढ़ की यह मानवीय पहल समर्पित नक्सलियों को ना सिर्फ अपने समाज, बल्कि परिवार से भी जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह पहल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा रणनीति से आगे बढ़कर विश्वास निर्माण और सामाजिक-मानवीय पुनर्वास मॉडल के रूप में आगे आ रहा है। ये 73 ऑपरेशन महज चिकित्सकीय आंकड़ा नहीं है, बल्कि इन परिवारों की उम्मीद और सामान्य जीवन की ओर आगे बढ़ने का भी प्रतीक है। उम्मीद की जानी चाहिए कि झारखंड और दूसरे नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें भी इस पहल से प्रेरित होंगी।

ठेकेदार-पार्षद की खींचतान में पिस रहे 300 परिवार

बारिश में मौत का जाल बना अधूरा नाला, 10 फीट गहरे गड्ढे, घरों तक पहुंच रहा गंदा पानी

बच्चों की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता

क्षेत्र में रहने वाले परिवारों की सबसे बड़ी चिंता उनके छोटे बच्चे हैं। घरों के सामने ही 10 फीट तक गहरे खुले नाले हैं। बच्चे रोज इन्हीं रास्तों से स्कूल जाते हैं और यहीं खेलते हैं। बारिश में पानी भरने के बाद गहराई का अंदाजा भी नहीं लग पाता। लोगों का कहना है कि यदि कोई बच्चा फिसल गया तो उसे बचाना मुश्किल होगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार बच्चों को नाले के किनारे खेलने से रोकना पड़ता है। हर समय डर बना रहता है कि कहीं कोई मासूम हादसे का शिकार न हो जाए।

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

बारिश का मौसम शुरू हो चुका है, लेकिन नयापुरा सिंधी कॉलोनी के लोगों के लिए हर बारिश नई आफत लेकर आ रही है। वार्ड-53 में निर्माणाधीन नाले का काम पिछले दो महीने से बंद पड़ा है। जगह-जगह करीब 10-10 फीट गहरे खुले गड्ढे बने हुए हैं। इनमें गंदा पानी और कचरा जमा है। नाले के किनारे रहने वाले करीब 300 से अधिक परिवार हर दिन डर और बदबू के बीच जिंदगी काटने को मजबूर हैं। सबसे ज्यादा चिंता छोटे बच्चों की है, जो घरों के बाहर खेलते रहते हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते निर्माण पूरा नहीं हुआ तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

हालत यह है कि अधूरे नाले में गंदा पानी ठहरा हुआ है। प्लास्टिक, घरेलू कचरा और मलबा पूरे नाले में फैला है। कई जगह नाले की दीवारों के किनारे मिट्टी धंस चुकी है। घरों के ठीक सामने गहरे खुले गड्ढे हैं, जहां न तो सुरक्षा बैरिकेड लगाए गए हैं और न ही किसी प्रकार की चेतावनी का बोर्ड लगाया गया है। ऐसे में दिन-रात दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि हल्की बारिश होते ही नाले का गंदा पानी घरों के सामने भर जाता है। कई स्थानों पर पानी घरों के अंदर तक पहुंच रहा है। नाले में पानी की निकासी नहीं होने से कचरा सड़ रहा है और पूरे क्षेत्र में बदबू फैल रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम की अनदेखी के कारण हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। खुले नाले के कारण जहरीले जीव-जंतु निकलने का डर भी लोगों को सता रहा है।

नाले के बीच से गुजर रही पानी की लाइनें

स्थिति को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि इसी खुले नाले के बीच से पेयजल की पाइप लाइनें भी गुजर रही हैं। लोगों का कहना है कि यदि गंदे पानी का रिसाव पाइप लाइन तक पहुंचा तो पेयजल भी दूषित हो सकता है। इससे पूरे क्षेत्र में बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाएगा।

ठेकेदार का आरोप- 19 लाख खर्च किए, फिर भी भुगतान नहीं

नाला निर्माण का ठेका लेने वाले शाहिद खान का कहना है कि उन्होंने लगभग 100 मीटर नाले का निर्माण कार्य पूरा कर दिया है। इस काम पर अब तक करीब 19 लाख रुपए खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन नगर निगम की ओर से एक भी भुगतान नहीं किया गया। शाहिद खान का आरोप है कि उनका रनिंग बिल तक पास नहीं किया जा रहा है। पार्षद मंगल यादव द्वारा बिल पास नहीं होने दिया जा रहा है। वह लगातार क्षेत्रीय कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन दिया जाता है। उनके मुताबिक दो महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन भुगतान नहीं होने के कारण काम पूरी तरह बंद करना पड़ा।

पार्षद और ठेकेदार की खींचतान में फंसी जनता

बताया जा रहा है कि ठेकेदार और वार्ड-53 के पार्षद के बीच चल रहे विवाद का खामियाजा आम जनता भुगत रही है। न तो निर्माण कार्य आगे बढ़ रहा है और न ही लोगों की समस्याओं का समाधान हो रहा है। लोगों का कहना है कि अधिकारियों को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है वीडियो

मार्च महीने में सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सिवीकॉन कंपनी के ठेकेदार शाहिद खान और पार्षद के बीच तीखी बहस होती दिखी थी। वीडियो में पार्षद के साथ मौजूद कुछ युवक ठेकेदार और उसके पिता को धमकाते नजर आ रहे हैं। शाहिद खान का आरोप है कि उन्होंने वार्ड 53 में नाला निर्माण का ठेका लिया है, लेकिन पार्षद इससे नाराज हैं। उनका कहना है कि वार्ड में केवल पार्षद से जुड़े ठेकेदार ही काम कर पाते हैं और अन्य को 25 प्रतिशत कमीशन देना पड़ता है।

इनका कहना है

ठेकेदार को काम शुरु करने के निर्देश दिए जाएंगे। भुगतान को लेकर जो भी समस्या आ रही है उसका निराकरण शीघ्र कराया जाएगा।

संघ प्रिय, निगमायुक्त

चेम्बर के 14 समूह में 30 प्रत्याशी निर्विरोध जीते, अब 234 मैदान में

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

मप्र चेम्बर ऑफ कॉमर्स के चुनाव में पर्चा वापसी के बाद जहां पदाधिकारी पदों पर 13 दावेदार मैदान में हैं, वहीं 53 समूहों में से 14 समूह के 30 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा बाद में की जाएगी। इसके साथ ही अब पदाधिकारी पदों पर 13 और कार्यकारिणी के 39 समूहों के लिए 221 प्रत्याशी मैदान में है। चेम्बर सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार 5 जुलाई रविवार को निर्वाचन कार्यालय में अवकाश रहेगा। वहीं समूह 11 से कृष्ण कुमार जैन ने नाम वापस ले लिया है, लेकिन वेलिड पर इनका नाम रहेगा।

यह हुए निर्विरोध निर्वाचित

- समूह 15 से मनोज कुमार सांघी और अंकित गर्ग
- समूह 16 से भरत कुमार बंसल, प्रशांत सिंघल और राजेन्द्र सिंह
- समूह 17 से मयूर गोयल, कृष्ण पटेल और उदयवीर सिंह
- समूह 19 से श्याम कुमार गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता, नरेशचन्द जैन और दिनेशचन्द जैन
- समूह 29 से राकेश लहारिया और पारस जैन (पीडी संस)
- समूह 30 से महेश मुदगल, हिमांशु अमरपुरी, कैलाश चावला और सुरेन्द्र गुप्ता
- समूह 35 से गजेन्द्र अरोरा
- समूह 43 से प्रशांत गंगवाल और बृजेश गोयल
- समूह 44 से सत्येन्द्र कुमार जैन
- समूह 46 से विकास कुमार गंगवाल
- समूह 47 से उदय गुप्ता
- समूह 48 से राजकुमार खूबनानी और महेन्द्र गुप्ता
- समूह 52 से विपिन गुप्ता और प्रदीप जाजू
- समूह 53 से ओमप्रकाश कुकरेजा और विकास सिंघल।

बेटी के साथ एक्टिवा पर बैठने पर पिता-चाचा ने युवक को बेरहमी से पीटा

बेटे को बचाने आए पिता को किया लहूलुहान

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

आंतरी थाना क्षेत्र में बेटी के साथ एक्टिवा पर युवक को बैठा देखकर पिता और चाचा ने उसकी बेरहमी से मारपीट कर दी और चाकू मारने का प्रयास किया। बेटे को पीटता देख पिता बचाने आए तो हमलावरों ने उनको भी पीट पीटकर लहूलुहान कर दिया। हमालवरों ने दुकान में घुसकर घटना को अंजाम दिया है। घायल को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

ग्राम पुरी में रहने वाला गोलू सेन 21 वर्ष गांव में ही हेयर कटिंग सैलून चलाता है। शुक्रवार रात के समय वह दुकान में काम कर रहा था तभी पड़ोसी चंदन कुशवाह और बल्देव कुशवाह आए और उसकी लात-घूंसों से मारपीट करना शुरु कर दिया। गोलू को दोनों दुकान से बाहर निकाल लाए और सड़क पर पटककर धुन डाला। चंदन ने गोलू के पेट में चाकू मारा, लेकिन उसने अपना बचाव कर लिया और चाकू कलाई में लग गया। बेटे पर हमला होने पर वृद्ध पिता बुद्धाराम सेन भागकर आए और उसे बचाने का प्रयास किया तो हमलावरों ने उनको भी जमीन पर पटककर पीट दिया। पिता-पुत्र को लहूलुहान करने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। हमले की वजह आरोपियों की बेटी व भतीजी से गोलू ने एक्टिवा पर बैठने के लिए लिफ्ट मांगना बताया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध होर्डिंग से हटाए गए विज्ञापन बोर्ड

ग्वालियर। उच्च न्यायालय में चल रही याचिका की आगामी सुनवाई को देखते हुए नगर निगम एक बार फिर अवैध होर्डिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई में उतर आया है। शनिवार को निगम अमले ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाकर अनाधिकृत रूप से लगे होर्डिंग्स हटाए। कार्रवाई के तहत गरम सड़क, माल रोड, गांधी रोड, बारादरी चौराहा, सिंहपुर रोड और मयूर मार्केट जैसे प्रमुख शहरी क्षेत्रों में अवैध होर्डिंग हटाए गए। इन स्थानों पर लंबे समय से नियमों के विपरीत लगे विज्ञापन बोर्डों को निगम टीम ने मौके पर हटवा दिया। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी अभियान तेज रहा। गोकुलधाम रेसिडेंसी रमौआ हाईवे, बड़ागांव हवेली पैलेस, तुरारी हाईवे और सिकरौदा-बड़ौरी हाईवे सहित कई स्थानों पर लगे अवैध होर्डिंग्स को हटाने की कार्रवाई की गई।

श्रावण मेले में दुकानदार 12 तक कर सकेंगे आवेदन

ग्वालियर। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा श्रावण मेले का आयोजन 20 जुलाई से 31 अगस्त तक किया जाएगा। श्रावण मेले में दुकानें, झूले लगाने के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 6 जुलाई निर्धारित की गई थी जिसे बढ़ाकर 12 जुलाई कर दिया गया है। मेला सचिव सुनील त्रिपाठी ने बताया कि ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा दुकानदारों एवं व्यापारियों की मांग पर दुकानों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 12 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही मेले में 40 दुकानें और बढ़ाई गई हैं। मेले में दुकान लगाने वाले दुकानदार एवं व्यापारी आवश्यकतानुसार अपनी दुकानों के आवंटन हेतु ऑनलाइन आवेदन एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर कर सकते हैं। मेले में दुकानदारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मेला प्राधिकरण द्वारा पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्थायें नि:शुल्क की गई हैं। पार्किंग व्यवस्था हेतु दोपहिया वाहन के 10 एवं चार पहिया वाहन के लिए 20 रुपए की दर निर्धारित की गई है। पार्किंग का संचालन मेला प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

लकी ड्रॉ में हीरे की अंगूठी का लालच देकर महिला से 1.85 लाख ठगे

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

साइबर ठगों ने महिला को लकी ड्रॉ में सोने की ज्वेलरी और हीरे की अंगूठी जीतने का झांसा देकर 1.85 लाख रुपए ठग लिए। ठगों ने गहनों को देने के बदले में रुपयों की मांग की। लालच में आकर महिला ने ठगों के खाते में रुपए स्थानांतरण कर दिए।

थाटीपुर थाना क्षेत्र स्थित इंद्रानगर निवासी सपना पत्नी पुष्पेंद्र सेंगर 28 वर्ष अक्सर एप मीशो से ऑनलाइन खरीदारी करती रहती हैं। 27 जून की सुबह के समय उनके मोबाइल पर वॉट्सएप कॉल आया। फोन करने वाले ने स्वयं को मीशो का प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि लकी ड्रॉ में उनका सोने की ज्वेलरी व हीरे की अंगूठी निकली है। सपना ठग की बातों में आ गई, ठग ने उनसे कहा कि ईनाम देने के बदले में पहले 12,500 रुपए प्रोसेसिंग फीस देने होगी तब ही वह मिलेगा। झांसे में आकर महिला ने पहले 2 हजार रुपए स्थांनातरण किए, लेकिन ठग ने कहा कि 10,500 रुपए और देना होंगे। रूपए देने के बाद जब उनको सोने व हीरे के गहने नहीं मिले तो फोन लगाकर पूछा तो उसने कहा कि आपने गलत खाते में रूपए स्थानांतरण कर दिए हैं। वह खाता अवैध था और अब पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने आएगी। पुलिस और गिरफ्तारी का नाम सुनकर सपना घबरा गई और फिर ठग जैसा कहते गए वह उनको रूपए बताए गए खातो में भेजती गईं। कभी प्रकरण रफा दफा करने तो कभी टैक्स क्लियर करने के बहाने ठगों को अलग-अलग खातों में 1 लाख 85 हजार 50 रुपए स्थानांतरण कर दिए। पौने दो लाख रूपए लेने के बाद भी ठगों ने और पैसों की मांग की, लेकिन सपना के पास पैसे खत्म होने पर उसने रूपए देने से मना किया तो ठग धमकी देने लगे। ठगी का एहसास होने पर पीड़िता ने अपनी बहन को बताया। सपना ने साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर अपनी शिकायत की। थाटीपुर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ठगी की घटना की जांच शुरु कर दी है।

125 वाटर हार्वेस्टिंग में से सिर्फ 20 पूरे 50 अधूरे, 55 पर अभी काम भी शुरू नहीं

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

शहर में जल संरक्षण के नाम पर चल रहे वाटर हार्वेस्टिंग कार्यों की जमीनी हकीकत शनिवार को उस समय सामने आ गई, जब नगर निगम के अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने अलग-अलग क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में बड़े पैमाने पर लापरवाही उजागर होने पर उन्होंने क्षेत्रीय अधिकारियों और उद्यान पर्यवेक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सामने आया कि नगर निगम ने इस सीजन में कुल 125 वाटर हार्वेस्टिंग बनाने का लक्ष्य तय किया है। इनमें से अब तक केवल 20 कार्य पूर्ण हो पाए हैं, जबकि 50 स्थानों पर काम अभी चल रहा है। यानी कुल 70 कार्यों पर ही किसी न किसी स्तर पर काम हो रहा है, जबकि 55 वाटर हार्वेस्टिंग पिट पर अभी कार्य शुरू तक नहीं हुआ है।

अधिकारियों के अनुसार इन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं से आने वाले समय में करोड़ों लीटर वर्षा जल का संग्रहण किया जा सकेगा, लेकिन धीमी रफ्तार और लापरवाही ने अभियान की गति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने शनिवार को हरीशंकरपुरम पार्क, गणेश पार्क, आनंद नगर बड़ा पार्क और ग्रामीण वार्ड क्रमांक 61 में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए नोडल अधिकारी राकेश कश्यप को सभी कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। नोडल अधिकारी ने बताया कि इस बार 100 से अधिक पार्कों और जलभराव वाले क्षेत्रों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराया जा रहा है। प्रत्येक वाटर हार्वेस्टिंग पिट पर लगभग 80 हजार रुपए का खर्च आ रहा है। वार्ड क्रमांक 58 के निरीक्षण के दौरान गंदगी पाए जाने पर जोनल हेल्थ ऑफिसर और वार्ड हेल्थ ऑफिसर को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री श्रीकांत कांटे, रजनीश गुप्ता, अजय शर्मा, पार्क अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान सहित संबंधित क्षेत्र के अधिकारी मौजूद रहे।

साइबर जागरूकता मैराथन से डिजिटल सुरक्षा का दिया संदेश

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश पुलिस के प्रदेशव्यापी सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत शनिवार को ग्वालियर पुलिस ने रोटरी क्लब ग्वालियर और भारत विकास परिषद, शाखा ऋषि गालव के सहयोग से जिला खेल परिसर, कंपू से साइबर जागरूकता मैराथन आयोजित की। पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल सिंह जग्गा ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया। करीब 3 से 4 किलोमीटर की मैराथन में युवाओं, विद्यार्थियों, खिलाड़ियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। आईजी अरविंद सक्सेना ने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय जागरूकता है। वहीं एसएसपी धर्मवीर सिंह ने अभियान को डिजिटल सुरक्षा का जन आंदोलन बताते हुए नागरिकों से फर्जी कॉल, ओटीपी, क्यूआर कोड और संदिग्ध लिंक से सतर्क रहने की अपील की। मैराथन के विजेताओं को नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए, जबकि पहले 500 प्रतिभागियों को टी-शर्ट वितरित की गई।

मुख्यमंत्री यादव के संभावित दौरे से पहले निगम अलर्ट मोड पर

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित ग्वालियर दौरे और मानसून सीजन को देखते हुए नगर निगम प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। शनिवार को निगमायुक्त संघ प्रिय ने बाल भवन स्थित टीएलसी में निगम अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर शहर की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

बैठक में अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव, प्रदीप सिंह तोमर, मुनीश सिंह सिकरवार सहित जनकार्य, पीएचई और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विशेष रूप से मुख्यमंत्री के संभावित आवागमन मार्गों पर व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से दुरुस्त करने पर जोर दिया गया। निगम आयुक्त ने निर्देश दिए कि शहर में मानसून के दौरान किसी भी स्थिति में जलभराव नहीं होना चाहिए। इसके लिए सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें और किसी भी समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि फील्ड में सक्रिय रहकर वास्तविक स्थिति का आकलन करना अनिवार्य है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन सड़कों का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा किया जाए। वहीं जिन मार्गों का कार्य तत्काल पूर्ण होना संभव नहीं है, उन्हें अस्थायी रूप से मोटरेबल बनाया जाए ताकि नागरिकों और वाहनों की आवाजाही में किसी प्रकार की बाधा न आए। बैठक में शहर की साफ-सफाई, जल निकासी व्यवस्था और पेयजल आपूर्ति की भी समीक्षा की गई। निगम आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि मुख्यमंत्री के संभावित दौरे और मानसून दोनों परिस्थितियों में शहर की व्यवस्थाएं सुचारु बनी रहें और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अनियमितताओं की जांच और निष्पक्ष चुनाव की मांग

ग्वालियर। श्री अचलेश्वर महादेव सार्वजनिक लोक न्यास के सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता संतोष सिंह राठौर ने सांसद भारत सिंह कुशवाह को ज्ञापन सौंपकर मंदिर न्यास में कथित अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा वर्तमान रिसीवर को हटाकर निष्पक्ष व्यवस्था लागू करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान रिसीवर द्वारा मंदिर की संपत्तियों एवं दान राशि के संबंध में अनियमितताएं की गई हैं। साथ ही मंदिर परिसर में अवैध निर्माण के प्रयास, मंदिर से जुड़ी भूमि के नामांतरण तथा प्रशासनिक प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों का भी उल्लेख किया गया है। ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि मंदिर न्यास की वर्तमान समिति को हटाकर पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत शीघ्र निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं। ज्ञापन देने वालो में हरीबाबू शिवहरे, प्रदीप बंसल, नवीन अग्रवाल, अमित बंसल, अजमेर रावत ,सुरेंद्र शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा आदि शामिल रहे।

रेलवे स्टेशन पर बारिश से बचाव को प्लेटफॉर्म पर लगाए अस्थायी शेड

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य के तहत चल रहा निर्माण फिलहाल अंतिम चरणों में पहुंच चुका है, लेकिन अभी तक छत (शीट) लगाने का काम शुरू नहीं हो पाने से यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कॉनकोर्स का निर्माण पूरा हो चुका है और उसके ऊपर स्ट्रक्चर फ्रेम भी कसा जा चुका है, लेकिन बारिश से सुरक्षा देने वाली शीटिंग का कार्य लंबित है। स्थिति यह है कि बारिश के मौसम में खुले प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को आने-जाने में परेशानी हो रही थी। कई बार यात्रियों को भीगकर ट्रेनों का इंतजार करना पड़ रहा था, जिससे असुविधा बढ़ गई थी। यात्रियों की इस समस्या को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने अस्थायी व्यवस्था करते हुए प्लेटफार्मों पर शेड लगवाए हैं। इन अस्थायी शेडों के जरिए यात्रियों को बारिश और तेज धूप से कुछ राहत मिल रही है। फिलहाल यह व्यवस्था अस्थायी तौर पर की गई है, ताकि निर्माण कार्य जारी रहने के बावजूद यात्रियों को न्यूनतम परेशानी हो। अधिकारियों के अनुसार पुनर्विकास कार्य के तहत आधुनिक स्टेशन तैयार किया जा रहा है, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी। कॉनकोर्स तैयार होने के बाद अब छत शीट लगाने और अन्य फिनिशिंग कार्य तेजी से पूरे किए जाएंगे।

ऑनलाइन डेटिंग कैसे रहें सुरक्षित

अक्सर ही ऑनलाइन डेटिंग के जरिये पहले दोस्ती और फिर धोखे की खबरें भी सुर्खियां बनती हैं. इस क्षेत्र में सुरक्षित रहने के लिए कुछ बातों पर दें विशेष ध्यान

अगर ऑनलाइन साथी की तलाश कर रहे हैं तो विभिन्न सर्च इंजन की सहायता लें. साथ ही, ऑनलाइन फ्रेंड से रीयल लाइफ में मिलने का निर्णय लेते हैं तो यह सुनिश्चित कर लें कि वह जगह पब्लिक प्लेस हो, अगर आप इंटरनेट के जरिए अपने प्यार की तलाश कर रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखें...

क्या आप ऑनलाइन डेटिंग के बारे में सोच रहे हैं? अगर हां, तो जरा संभल के. इसमें थोड़ी सी लापरवाही आपके लिए खतरा भी बन सकती है.

ऑनलाइन डेटिंग मैगजीन के अनुसार, बीस प्रतिशत अमेरिकी ऐसे व्यक्ति के साथ डेटिंग पर बाहर जाते हैं जिनसे वे ऑनलाइन मिले होते हैं, जबकि हर साल ऑनलाइन मिलने वाले लोगों में से 2,80,000 लोग शादी कर लेते हैं.

हालांकि ये आंकड़े विदेश के हैं लेकिन हमारे देश में भी ऑनलाइन डेटिंग का क्रेज कम नहीं है. भले ही ऑनलाइन डेटिंग के जरिये मनचाहा साथी मिल जाता हो लेकिन इस आभासी दुनिया में छल करने वालों की भी कमी नहीं है.

साइट्स की पहचान

कुछ साइट्स हैं जो यह निर्णय करती हैं कि आप किससे मिलें, जबकि कुछ साइट्स आपको आवश्यक डेट के बारे में सलाह देती हैं. सबसे जरूरी बात आप इन साइट्स की कीमत को जरूर जांच लें. छोटे और क्षेत्रीय साइट्स को भी नजरअंदाज न करें.

ईमानदारी से बनायें प्रोफाइल

ऑनलाइन प्रोफाइल बनाते समय अपनी उम्र, बैकग्राउंड या आदतों के बारे में झूठे बयान देने से बचें. लेकिन अपने बारे में बहुत अधिक जानकारी देने से बचें, चाहे आप अगले व्यक्ति को पहचानते ही क्यों न हों. अच्छी लेकिन अप-टू-डेट फोटो पोस्ट करें, किसी भी तरह की अश्लीलता से बचें.

थोड़ी बेईमानी की उम्मीद

विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑनलाइन डेटिंग रिलेशन बनाने का बजाय एक तरह से विज्ञापन होता है. यह ऐसा विज्ञापन होता है जो अतिशयोक्तिपूर्ण कथन और झूठ से भरा होता है. दोस्ती करने वाला उनसे उम्मीद करता है कि अगला व्यक्ति अपनी बेस्ट फोटो अपलोड करेगा जबकि वह अपनी कम उम्र की फोटो के साथ ही अपने वजन का भी कई किलो छिपा जाता है.

फ्रॉड से बचें

किसी भी नई तकनीक के समान ही ऑनलाइन डेटिंग के भी कुछ नकारात्मक पहलू हैं. इनमें से सबसे बड़ी बात फ्रॉड की है. बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय सहायता संघ भी वजूद में हैं जो ऑनलाइन डेटिंग साइट पर भी मौजूद हैं और अक्सर इस तरह के मैसेज भेज कर दावा करते हैं कि कुछ लोग हैं जो मुसीबत में हैं और उनके पास पैसे नहीं हैं. अगर कोई ऐसी बात करे, खासकर किसी दूसरे देश का व्यक्ति, तो तुरंत उससे नाता तोड़ लें.

तहकीकात करें

परिवार या दोस्त कभी भी आपके संभावित ऑनलाइन डेटिंग की जांच नहीं कर सकते. इसलिए आपको थोड़ा सा जासूसी वाला काम भी करना पड़ेगा. जिससे ऑनलाइन मिले हैं और फिर उस व्यक्ति से वास्तव में मिलने जा रहे हैं तो उनके बारे में थोड़ी जांच-पड़ताल भी करें. इसके लिए मल्टीपल सर्च इंजन का सहारा लें. आपराधिक बैकग्राउंड की भी जांच करें. इस बात को सुनिश्चित कर लें कि उसके अनुसार जो वह है, वह सच है.

सार्वजनिक स्थल पर मिलें

वास्तव में, ऑनलाइन फ्रेंड के साथ मिलने की स्थिति आने पर किसी सार्वजनिक स्थल पर भी मिलने का प्रयास करें. साथ ही, आप कहां जा रहे हैं और किससे मिलने जा रहे हैं और कब वापस आएंगे, अगर इसकी सूचना परिवार और मित्रों को देकर जाएंगे तो बेहतर होगा. अपना फोन हाथ में रखें. अगर डेट पर किसी भी तरह की असहजता महसूस करें तुरंत उस जगह को छोड़ दें.

यूं सजाएं अपना आशियाना

घर छोटा हो या बड़ा, चाहत सिर्फ इतनी रहती है कि अपना घर सबसे अलग और सुंदर नजर आए. सूझबूझ से आप भी घर को सुंदर बना सकती हैं.

यदि आप घर को नेचुरल लुक से संवारना चाहती हैं तो उसके लिए फूलों का प्रयोग करें. फूल यदि प्राकृतिक ले सकें तो ठीक, वरना बाजार में मिलने वाले आर्टिफिशल फूलों का प्रयोग करें. कोशिश करें कि एक कमरे में एक से ज्यादा फूलदान ना हों. यदि रखने ही हों तो सबसे पहले सबसे छोटा और सबसे आखिरी में बड़े साइज वाला फूलदान रखें. घर सजाने के लिए कैंडल का प्रयोग भी कर सकती हैं.

फूलों से सजाएं

कैंडल सजाते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि वे विषम संख्या में हों. ड्राइंग रूम बड़ा हो तो चारों कोनों में चार नहीं भी लगा सकें तो कम से कम दो कोनों में हैंगिंग लैंप लगाएं. हालांकि, ड्राइंग रूम में ट्यूब लाइट से परहेज करना बेहतर होता है. ड्राइंग रूम में अगर दो खिड़कियों के बीच लंबा गैप हो तो वहां लंबी तस्वीरों की जगह चौड़ी तस्वीरों का प्रयोग करें. ऐसा करने से कमरा खाली-खाली नहीं लगेगा.

आकर्षक फर्नीचर

ड्राइंग रूम का फर्नीचर सदैव आकर्षक रखें. इसका डिजाइन परंपरागत हो या आधुनिक, लुभावना होना चाहिए. दीवार पर हाथ से सुंदर मोटिफ, बेल या फूल बनाएं. इस सजावट के बाद आपको वॉल पेपर की जरूरत नहीं पड़ेगी. इन दिनों बाजार में सोफा कवर के लिए फ्लोरल फैब्रिक का अधिक चलन है. यह घर को मॉडर्न लुक देता है. कर्लड ग्लासेस और स्टोन का प्रयोग भी कमरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कर सकती हैं. जगह बचाने के लिए कम जगह घेरने वाले फर्नीचर का प्रयोग करें. इसके अलावा आप जैपनीज स्टाइल के बेड का इस्तेमाल भी कर सकती हैं.

कुशंस से सजाकर नया लुक

अगर जगह कम हो तो ड्राइंग रूम में कॉम्पैक्ट स्टूल बेड या चेयर बेड का इस्तेमाल करें. इन दिनों सोफा कम बेड कई शेप में आ रहे हैं. अपने बजट और आवश्यकता के हिसाब से इनका चयन करें. साधारण सोफा सेट को कलरफुल कुशंस से सजाकर नया लुक दिया जा सकता है. मॉडर्न और ओल्ड वर्जन का फ्यूजन करने में संकोच न करें. इसके लिए पुराने जमाने के टेलीफोन या ग्रामोफोन भी सजावट के तौर पर इस्तेमाल कर सकती हैं. गिंग लाइट्स या फ्लोर स्टैंडिंग, स्टैंर्डड लैंप जैसी डेकोरेटिव लाइट्स के प्रयोग घर छोटा हो या बड़ा, चाहत सिर्फ इतनी रहती है कि अपना घर सबसे अलग और सुंदर नजर आए. सूझबूझ से आप भी घर को सुंदर बना सकती हैं.

घर को स्टाइलिश लुक देने के लिए अपने बजट के अनुसार हल्की-फुल्की एक्से सरीज खरीदें, जैसे-ग्लास पीसेस, फ्लावर पॉट वगैरह. पर्दों के लिए सिल्क के कपड़ों में स्ट्राइप्ड या वर्टीकल स्ट्राइप डिजाइन किए गए फैब्रिक का प्रयोग बेहतर होगा. कमरे को बड़ा लुक देने के लिए छोटे पैटर्न और डिजाइन वाले कालीन का प्रयोग करें. घर के फर्नीचर से लेकर कमरे के साज-सामान तक के लिए गहरी लाइन वाले फैब्रिक चुनें. इस तरह थोड़ी-सी समझदारी और सूझबूझ से आप कम बजट में भी घर को नया और आधुनिक रूप दे सकती हैं.

बढ़ती उम्र की महिलाओं का हेल्दी डाइट

हॉट फ्लैश मीनोपॉज का संकेत देने वाला मुख्य लक्षण है. इसे हेल्दी डाइट के जरिये नियंत्रित भी किया जा सकता है.

आमतौर पर मीनोपॉज से पूर्व महिलाएं हॉट फ्लैश का सामना करती हैं, जो सामान्य बात है. डॉक्टरों के अनुसार, हॉट फ्लैश मीनोपॉज का संकेत देने वाला मुख्य लक्षण है. मीनोपॉज से पहले हॉट फ्लैश का अनुभव करना इसलिए भी बहुत सामान्य बात है क्योंकि इस दौरान शरीर का हार्मोनल स्तर फ्लक्चुऐट यानी ऊपर-नीचे होता रहता है.

अक्सर यही फ्लक्चुएशन हॉट फ्लैशेज का कारण बनता है. हॉट फ्लैशेज में अचानक ही कुछ सेकेंड्स के लिए बहुत तेज गर्मी का अहसास होता है. हालांकि यह सच है कि मीनोपॉज के निकट पहुंच चुकी महिलाओं के लिए हॉट फ्लैशेज सामान्य बात है लेकिन इसे हेल्दी डाइट के जरिये नियंत्रित भी किया जा सकता है. कुछ प्राकृतिक खाद्य पदार्थ हैं जिनसे हॉट फ्लैश की गर्मी से काफी हद तक बच सकती हैं.

हाई फाइबर फूड्स की जरूरत

रेशों से भरपूर खाद्य पदार्थ हॉट फ्लैशेज से बचने का बेहतर उपाय है कि आप अपनी डाइट में हाई फाइबर फूड्स को शामिल करें. ऐसा इसलिए क्योंकि शरीर के ब्लड शुगर को मेंटेन रखने के लिए रेशों से भरपूर खाद्य पदार्थ उपयोगी होते हैं. इसलिए यह हॉट फ्लैशेज को कम करने में सहायक होता है. हाई फाइबर खाद्य पदार्थों में साबुत अनाज, ब्रोकली, सेब, अमरूद, गाजर आदि शामिल होते हैं. फलियों में आप बीन्स, मसूर और मटर को चुन सकती है. रेशेदार भोजन न केवल हॉट फ्लैशेज की समस्या को कम करता है बल्कि इस तरह का भोजन वजन को नियंत्रित रखने के साथ ही पाचन क्रिया को भी मजबूत बनाता है.

फ्लैक्सीड (अलसी के बीज)

हॉट फ्लैशेज से बचने के लिए फ्लैक्सीड के साथ ही फ्लैक्सीड ऑयल को भोजन में शामिल करना बेहतर होगा. फ्लैक्सीड में महत्वपूर्ण तत्व जै से आइसो फ्लेवोनेस, फाइडोएस्ट्रोजेन्स आदि पाये जाते हैं जो महिलाओं के हार्मोन्स के फ्लक्चुएशन को रिस्टोर करते हैं जिससे यह हॉट फ्लैशेज और दूसरी समस्याओं के होने की संभावना को कम करता है.

फ्लैक्सीड से कई अन्य फायदे भी होते हैं जैसे इसके सेवन से वजन कम होता है. साथ ही, यह हृदय रोग और कैंसर होने से बचाता है. इसके बेहतर परिणाम के लिए इस सुपर फूड का 2/3 कप अपनी डाइट प्लान में शामिल करें. हालांकि सुरक्षित रहने के लिए इस खाद्य पदार्थ को अपने भोजन में शामिल करने से पहले डॉक्टर से सलाह भी ले सकती हैं.

सोयाबीन

मीनोपॉज की उम्र में पहुंच चुकी महिलाओं को अपने भोजन में सोया शामिल करना बहुत जरूरी है. ऐसा इसलिए क्योंकि सोया में ऐसा तत्व पाया जाता है जो एस्ट्रोजन हार्मोन सरीखा काम करता है.

सोया खाने से आप हॉट फ्लैशेज और मीनोपॉज से जुड़ी अन्य समस्याओं से राहत पा सकती हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, यदि प्रतिदिन के भोजन में 25 ग्राम सोया से भरपूर आहार शामिल किया जाए तो मीनोपॉजल लक्षण को कम किया जा सकता है. खासतौर से, हॉट फ्लैशेज तो तीस प्रतिशत तक कम हो सकता है.

मछली/मीट/अंडे

जीवन के इस दौर में प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे मछली, अंडे या मीट से भरपूर डाइट हार्मोन्स का संतुलन बनाए रखने में अत्यधिक मददगार साबित होते हैं. अगर आप वेजीटेरियन हैं तो प्लांट बेस्ड प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकती हैं. इनमें मेवे, दही और फलियां शामिल हैं.

आखिरी मिनट में क्रोएशिया का गोल रद्द, नाराज फैंस ने मैदान पर बोतलें फेंकी

रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल विश्वकप के अंतिम-16 में

एजेंसी, टोरंटो

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने शुक्रवार को क्रोएशिया को 2-1 से हराया। अब पुर्तगाल का मुकाबला 2010 की चैंपियन स्पेन से 7 जुलाई को होगा। स्पेन ने ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराया। टीम ने 2010 के बाद पहली बार नॉकआउट मैच जीता है। एक अन्य मैच में स्विट्जरलैंड ने अल्जीरिया को हराकर लगातार चौथी बार टॉप-16 में जगह बनाई। टोरंटो स्टेडियम में इवान पेरिशिच ने हाफ टाइम के बाद गोल कर क्रोएशिया को 1-0 से आगे कर दिया। 68वें मिनट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी पर बराबरी का गोल दागा। फुल टाइम तक स्कोर 1-1 रहा। इंजरी टाइम में गोंसालो रामोस ने हेडर से गोल कर पुर्तगाल की जीत लगभग पक्की कर दी। आखिरी क्षणों में क्रोएशिया ने बराबरी का गोल किया, लेकिन VAR रिव्यू के बाद मारियो पासालिच ऑफसाइड पाए गए और गोल रद्द कर दिया गया। इस फैसले से नाराज क्रोएशियाई प्रशंसकों ने मैदान पर बोतलें फेंकी और रेफरी के खिलाफ विरोध जताया।

पहला हाफ गोल रहित रहा

मैच का पहला हाफ गोल रहित रहा। पुर्तगाल का दबदबा रहा, लेकिन टीम गोल नहीं कर सकी। हाफ टाइम के बाद जोसिप स्टानिशिच के क्रॉस पर इवान पेरिशिच ने 53वें मिनट में गोल कर क्रोएशिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। 68वें मिनट में पुर्तगाल को मिली पेनल्टी पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने स्कोर 1-1 कर दिया। यह वर्ल्ड कप नॉकआउट मुकाबलों में रोनाल्डो का पहला गोल है। वे इस स्टेज में गोल करने वाले दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने 41 साल 147 दिन की एज में गोल दागा। उन्होंने अपने ही देश के पेपे के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। मैच एक्स्ट्रा टाइम में जाता दिख रहा था। लेकिन इंजरी टाइम में राफेल लियाओ के क्रॉस पर गोंकालो रामोस ने हेडर से पुर्तगाल को 2-1 की बढ़त दिला दी।

स्पेन ने 2010 के बाद पहला नॉकआउट मैच जीता

स्पेन ने पूरे मैच में गेंद पर कब्जा बनाए रखा और टूर्नामेंट का अपना सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया। टीम ने लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट रखी। ऑस्ट्रिया गोल पर एक भी शॉट नहीं लगा सका और गोलकीपर उनाई सिमोन को एक भी सेव नहीं करना पड़ा। पहले हाफ में शुरुआती सावधानी के बाद स्पेन ने हाइड्रेशन ब्रेक के बाद आक्रमण तेज किया। 36वें मिनट में मार्क कुकुरेला के पास पर मिकेल ओयारजाबाल ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका तीसरा गोल था। दूसरे हाफ में स्पेन ने लगातार दबाव बनाए रखा। एलेक्स बैएना ने मूव बनाया और उनका पास पेड्रो पोरो तक पहुंचा। पोरो ने हेडर से गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला गोल था। 89वें मिनट में कुकुरेला ने पास दिया, जिस पर ओयारजाबाल ने अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल कर जीत पक्की कर दी।

यामाल ने सबसे ज्यादा समय मैदान पर बिताया

18 साल के स्टार विंगर लामिन यामाल ने पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा समय मैदान पर बिताया। उन्होंने स्पेन के 10 ऑन-टारगेट शॉट्स में से चार लगाए। 85वें मिनट में उनका शॉट ऑस्ट्रिया के डिफेंडर डेविड अलाबा ने गोललाइन पर रोक दिया। इसके कुछ देर बाद उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, 'बड़ी टीमें जरूरत के समय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती हैं। हमने शानदार मैच खेला और लगभग परफेक्शन के करीब पहुंचे।

स्विट्जरलैंड ने 2-0 से अल्जीरिया को हराया

वैंकूवर। ब्रील एम्बोलो और डैन न्डोये के गोलों की बदौलत स्विट्जरलैंड ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। अब स्विट्जरलैंड का सामना मंगलवार को इसी मैदान पर कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा। स्विट्जरलैंड ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और 10वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। 20 वर्षीय युवा खिलाड़ी जोहान मंजांबी ने बाएं फ्लैंक से शानदार दौड़ लगाते हुए लो क्रॉस दिया, जिस पर ब्रील एम्बोलो ने आसान फिनिश कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। मंजांबी का यह टूर्नामेंट में दूसरा असिस्ट रहा। युवा खिलाड़ी अब तक चार विश्व कप मैचों में तीन गोल और दो असिस्ट दर्ज कर चुके हैं। दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्जरलैंड ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। 46वें मिनट में बॉक्स के बाहर मिली गेंद पर डैन न्डोये ने शानदार नियंत्रण दिखाते हुए अल्जीरिया के गोलकीपर लुका जिदान को छकाकर गेंद जाल में पहुंचा दी। इसके बाद स्विस टीम ने मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए अल्जीरिया को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 2-0 की आसान जीत दर्ज की। ग्रुप चरण में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर रहने वाली स्विट्जरलैंड की टीम पूरे टूर्नामेंट में अब तक अजेय बनी हुई है। हालांकि स्विट्जरलैंड 2006, 2014, 2018 और 2022 विश्व कप में अंतिम-16 से आगे नहीं बढ़ सका था। तीन बार विश्व कप क्वार्टर फाइनल खेलने वाली स्विस टीम अब 1954 के बाद पहली बार अंतिम आठ में जगह बनाने की कोशिश करेगी।

फीफा विश्व कप 2026
राउंड ऑफ 32
3 जुलाई | 00:30 बजे (भारतीय समय)
स्पेन बनाम ऑस्ट्रिया
लॉस एंजिल्स स्टेडियम, अमेरिका
स्पेन 3 ‹ फीफा रैंक › 23 ऑस्ट्रिया
कुल आमने-सामने
स्पेन जीता: 9 | ऑस्ट्रिया जीता: 4 | ड्रॉ: 3
KBK Sports Graphics

फीफा विश्व कप 2026
राउंड ऑफ 32
3 जुलाई | प्रातः 4:30 बजे (भारतीय समय)
पुर्तगाल बनाम क्रोएशिया
टोरंटो स्टेडियम, कनाडा
पुर्तगाल 8 ‹ फीफा रैंक › 13 क्रोएशिया
कुल आमने-सामने
पुर्तगाल जीता: 7 | क्रोएशिया जीता: 1 | ड्रॉ: 2
KBK Sports Graphics

फीफा विश्व कप 2026
राउंड ऑफ 32
3 जुलाई | प्रातः 8:30 बजे (भारतीय समय)
स्विट्ज़रलैंड बनाम अल्जीरिया
वैंकूवर स्टेडियम, कनाडा
स्विट्ज़रलैंड 16 ‹ फीफा रैंक › 29 अल्जीरिया
कुल आमने-सामने
स्विट्ज़रलैंड जीता: 2 | अल्जीरिया जीता: 0
KBK Sports Graphics

भारत-ए की दूसरे दिन वापसी, 247/1 रन बनाए; श्रीलंका-ए से 119 रन पीछे

सुदर्शन का शतक, पडिक्कल के साथ 181 रन जोड़े

एजेंसी, गॉल

भारत-ए ने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में वापसी कर ली है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत-ए ने पहली पारी में 1 विकेट पर 247 रन बना लिए हैं। साई सुदर्शन 104 और देवदत्त पडिक्कल 94 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 181 रन की साझेदारी हो चुकी है। भारत-ए अभी श्रीलंका-ए के पहली पारी के स्कोर से 119 रन पीछे है। इससे पहले गॉल में श्रीलंका-ए ने अपनी पहली पारी में 366 रन बनाए। कप्तान साहन अराच्चिगे ने शानदार 127 रन की पारी खेली। भारत-ए की ओर से गुरनूर बराड़ और सारांश जैन ने 4-4 विकेट लिए, जबकि यश ठाकुर को 2 सफलताएं मिलीं।

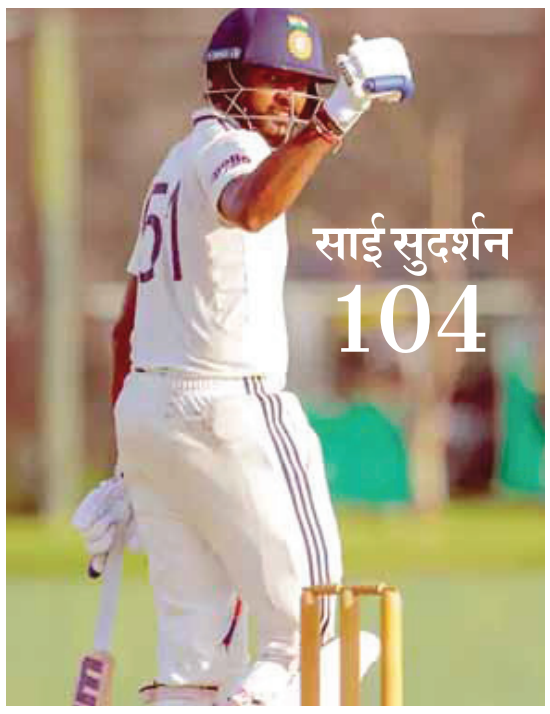

सुदर्शन-पडिक्कल ने पलटा मैच का रुख

भारत-ए की शुरुआत अच्छी रही। अमन मोखाडे और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़े। मोखाडे 48 गेंदों में 38 रन बनाकर केशरा नुवांथा का शिकार बने। इसके बाद सुदर्शन ने देवदत्त पडिक्कल के साथ पारी संभाली। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 181 रन की नाबाद साझेदारी कर डाली। साई सुदर्शन ने 13 चौकों की मदद से नाबाद 104 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल 11 चौकों के सहारे 94 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

साहन के शतक से श्रीलंका-ए ने बनाए 366 रन

इससे पहले श्रीलंका-ए ने अपनी पहली पारी में 110 ओवर में 366 रन बनाए। कप्तान साहन अराच्चिगे ने 127 रन की पारी खेली। उन्होंने 13 चौके और 2 छक्के लगाए। विकेटकीपर अंजला बंडारा ने 42 रन, नुवानिडु फर्नांडो ने 44 रन, पवन्था वीरासिंघे ने 39 और अशेन बंडारा ने 34 रन का योगदान दिया।

फीफा विश्व कप से बाहर होते ही रियाद ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

वैंकूवर। अल्जीरिया के कप्तान रियाद महरेज़ ने फीफा विश्व कप 2026 से टीम के बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। राउंड ऑफ 32 में स्विट्जरलैंड ने ब्रेल एम्बोलो और डैन एनडोये के गोल की बदौलत अल्जीरिया को 2-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस हार के तुरंत बाद महरेज़ ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को विराम देने का फैसला किया। सऊदी प्रो लीग क्लब अल-अहली के लिए खेलने वाले 35 वर्षीय महरेज़ ने अल्जीरिया के लिए 113 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 39 गोल किए। फ्रांस के क्लिशी में जन्मे महरेज़ ने वर्ष 2013 में अपने पारिवारिक मूल के आधार पर अल्जीरिया का प्रतिनिधित्व करने का फैसला किया था।

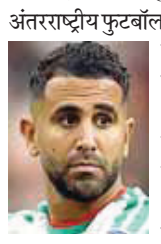

विंबलडन : ऑस्ट्रेलिया की कसात्किना को 6-1, 6-3 से हराया

नाओमी ओसाका ने पहली बार चौथे राउंड में जगह बनाई

एजेंसी, लंदन

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने शुक्रवार को विंबलडन 2026 के नंबर 1 कोर्ट पर ऑस्ट्रेलिया की डारिया कसात्किना को 6-1, 6-3 से हराकर पहली बार चौथे राउंड में जगह बना ली। इस मैच में उन्होंने अब तक का अपना सबसे बेहतरीन ग्रास-कोर्ट टेनिस खेला। जीत के बाद ओसाका ने कहा, आज मुझे सच में बहुत अच्छा लगा; मुझे आत्मविश्वास महसूस हुआ। मैंने पिछले कुछ हफ़्तों में ग्रास कोर्ट पर कई मैच खेले हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं और आगे बढ़ पाऊँगी। इसके बाद उनका सबसे बड़ा इम्तिहान होगा: या तो दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका या फिर दूसरी मेजर चैंपियन येलेना ओस्टापेंको, जिनका मैच शुक्रवार दोपहर बाद होना है।

स्वियातेक और रायबाकिना तीसरे दौर में पहुंचे

लंदन। डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक और वर्ल्ड नंबर-2 एलीना रायबाकिना ने लंदन में खेली जा रही विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के तीसरे दौर में जगह बना ली है। लेडीज सिंगल्स कैटेगरी में पोलैंड की स्टार इगा ने कैरोलिना प्लिस्कोवा को 69 मिनट में सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से हराया। जबकि, कजाकिस्तान की रायबाकिना ने अमेरिका की कैटी मैकनेली को महज 71 मिनट में 6-1, 6-2 से शिकस्त दी। मेंस सिंगल्स कैटेगरी में आर्थर फेरी ने फिनलैंड के ओटो विर्तानेन को 5-7, 7-6, 6-3, 6-3 से हराया।

इंस्पायर स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की टीम तैयार

150 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया प्रशिक्षण

खेल संवाददाता, इंदौर

इंदौर के छोटा बांगड़दा स्थित इंस्पायर स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में एलेट स्पोर्ट्स अकादमी के सहयोग से कराते, कोशिकी मार्शल आर्ट और फेंसिंग का विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर का संचालन पूर्व खेलो एमपी फेंसिंग कोच अमय लश्करी के निर्देशन में राष्ट्रीय खिलाड़ी प्रांजलि सरोदे ने किया। इसमें 150 से अधिक खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के बाद चयनित खिलाड़ी आगामी स्कूल शिक्षा विभाग की खेल प्रतियोगिताओं, इंदौर जिला कोशिकी मार्शल आर्ट चैंपियनशिप तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। खिलाड़ियों ने फेंसिंग जैसे खेल को सीखने का अवसर उपलब्ध कराने के लिए स्कूल प्रबंधन और डायरेक्टर प्रशांत तिवारी का आभार व्यक्त किया। विद्यालय के प्राचार्य गौरव तिवारी ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में रोहित कौशल ने सभी प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

मेसी के बचे हुए मैच मत गिनिए: रोड्रिगो डी पॉल

मियामी। अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने फुटबॉल प्रशंसकों से अपील की है कि वे लियोनेल मेसी के विदाई की चर्चा करने के बजाय उनके हर मैच और हर पल का आनंद लें। विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में केप वर्डे के खिलाफ मुकाबले से पहले डी पॉल ने कहा कि मेसी जैसा खिलाड़ी बार-बार नहीं मिलता। 39 वर्षीय लियोनेल मेसी अपने छठे विश्व कप में खेल रहे हैं और माना जा रहा है कि यह अर्जेंटीना की जर्सी में उनका अंतिम विश्व कप हो सकता है। हालांकि डी पॉल ने कहा कि टीम अभी से मेसी के बाद के दौर के बारे में नहीं सोच रही है। डी पॉल ने प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम हर दिन लियो मेसी का आनंद लें, ठीक वैसे ही जैसे अर्जेंटीना का हर नागरिक करता है। अक्सर हम किसी चीज़ की अहमियत उसके चले जाने के बाद समझते हैं, लेकिन अभी हमारे पास मेसी हैं और हमें इस पल को जीना चाहिए।

पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच बारिश में धुल गया था

भारत और इंग्लैंड की नजर टी20 सीरीज में पहली जीत पर

एजेंसी, मैनचेस्टर

पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच बारिश में धुलने के बाद भारत और इंग्लैंड की टीमें शनिवार को यहां ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले दूसरे टी-20 मुकाबले में जीत दर्ज करना चाहेंगी। चेस्टर-ले-स्ट्रीट में पहला मैच भारत की पारी पूरी होने के बाद रद्द हो गया था, इसलिए मैनचेस्टर का मुकाबला और भी अहम हो गया है। दोनों टीमें इस मैच में जीत दर्ज कर शुरुआती बढ़त हासिल करना चाहेंगी। भारत पहले मैच में अपनी बल्लेबाजी के प्रदर्शन से काफी सकारात्मक चीजें लेकर आगे बढ़ेगा। आक्रामक बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने केवल 24 गेंदों में धुआंधार 59 रन बनाकर इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने संयमित 68 रन बनाकर पारी को संभाला। इसके बाद शिवम दुबे ने 21 गेंदों में नाबाद 42 रन बनाकर पारी को शानदार ढंग से खत्म किया, जिससे मेहमान टीम की बल्लेबाजी की गहराई का पता चला। भारत के लिए चिंता का एकमात्र विषय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन का लगातार खराब प्रदर्शन है, जो अपनी पिछली तीन टी-20 पारियों में मात्र छह रन ही बना पाए हैं।

15 साल के बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी के तैयार होने के कारण, अगर टीम मैनेजमेंट बदलाव करने का फैसला करता है तो उन्हें चयन को लेकर दुविधा का सामना करना पड़ सकता है। गेंदबाजी की बात की जाये तो भारतीय आक्रमण एक बार फिर अर्शदीप सिंह के इर्द-गिर्द घूमेगा, जो हाल ही में टी-20 अंतरराष्ट्रीय में देश के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। उम्मीद है कि उन्हें हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और अक्षर पटेल का साथ मिलेगा, क्योंकि भारत ओल्ड ट्रैफर्ड की परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। वहीं, इंग्लैंड के गेंदबाजो का प्रदर्शन उत्साहजनक रहा, भले ही उन्हें लक्ष्य का पीछा करने का मौका नहीं मिला।

भारत वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम घोषित

लंदन। भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड ने 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। ससेक्स के ऑलराउंडर जेम्स कोल्स को पहली बार वनडे टीम में जगह मिली है। वहीं तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की करीब आठ महीने बाद वनडे टीम में वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी वनडे नवंबर 2025 में खेला था। टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक करेंगे। तेज गेंदबाज जोश टंग को भी वनडे टीम में पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा गस एटकिंसन और साकिब महमूद भी श्रीलंका दौरा मिस करने के बाद टीम में लौटे हैं।

इंग्लैंड की वनडे टीम

हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, जो रूट और जॉश टंग।

वर्षाजन्य बीमारी उल्टी-दस्त, वायरल का बढ़ रहा प्रकोप, डॉक्टर भी चपेट में

भोपाल (नगर संवाददाता)

मानसून के प्रभावी आगाज के बाद बारिश ने रोगों को बढ़ावा दिया है। इस समय बुखार के साथ उल्टी दस्त का प्रकोप बढ़ा है। डॉक्टरों का कहा है कि वर्षाजन्य बीमारियों का प्रकोप अब लगातार बढ़ेगा। वायरल भी तेजी के साथ फैलेगा। यह समस्या तेजी से पनप रही है। जेपी अस्पताल में मौजूदा सप्ताह के दौरान सर्दी बुखार और बुखार के साथ साथ उल्टी दस्त के मरीजों में वृद्धि हुई है। शनिवार को जेपी अस्पताल में मेडिसिन डाक्टरो के चेम्बरों में रोगों की लंबी-लंबी लाइनें लगी हुईं थीं। डाक्टरों का कहना है के बारिश के कारण जो पीने का पानी घरों में पहुंच रहा है। वह प्रदूषित हो रहा है।

जिसका प्रभाव सीधे तौर पर सेहत पर पड़ रहा है। बारिश के बाद जब तेज धूप निकलेगी तो जुकाम खांसी के साथ सर्दी बढ़ेगी। वायरल को बढ़ावा मिलेगा। जो लोग सावधानी बरतेंगे। वह इन समस्याओं से बचे रहेंगे।

■ हमीदिया में बढ़ी रोगियों की भीड़: वर्षाजन्य बीमारियों के मरीजों की हमीदिया अस्पताल में भी भारी भीड़ बढ़ी है। उल्टी दस्त से अनेक रोगियों को यहां जांचें लिखी गई। डॉक्टरों का कहना था कि जब जांच रिपोर्ट आएगी। तभी इनका स्थाई रूप से इलाज किया जाएगा। चिकित्सकों के अनुसार बड़ी उम्र के लोगों पर जहां मौसम का प्रभाव पड़ रहा है तो बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। बच्चों में खांसी-उल्टी दस्त के विकार पनप रहे हैं। जो धात्री महिलाएं हैं। उनका खानपान भी दुधमुंहे बच्चों की सेहत पर असर डाल रहा है।

■ आंख के रोगियों की शुरूआत: वर्षाजन्य बीमारियों शुरू आते ही कंजेंटीवायटिस(आंख रोग) भी शुरू हो चुका है। जिला चिकित्सालय में नेत्र रोग विशेषज्ञों का कहना है कि अभी यह रोग फ्लू में नहीं है, लेकिन लगातार बारिश होगी तो रोगियों की संख्या में जबर्दस्त इजाफा होगा। वायरल स्थिति बनेगी। यदि घर में किसी एक व्यक्ति को यह समस्या हुई तो अन्य फैमिली के अन्य सदस्यों पर भी इसका असर पड़ेगा।

मॉस्क लगाकर काम

वर्षाजन्य बीमारियों की चपेट में डॉक्टर भी आ गये हैं। जेपी अस्पताल में चार चिकित्सकों को उल्टी दस्त की शिकायत हुई है, जिन्होंने बिगड़ी सेहत के कारण अवकाश लिया है। जेपी की मेडिसिन एवं हड्डी रोग विंग ने डाक्टरों एवं उनके साथ जूनियर चिकित्सकों ने मास्क लगातारकर काम किया। इनका कहना है कि संक्रमण तेजी से फैल रहा है। इस कारण मासक लगाना जरूरी है। शासकीय कैलाशनाथ काटजू में दो डाक्टरों को इन विकारों ने घेरा है।

इनका कहना

वर्षाजन्य बीमारियों का प्रकोप शुरू हुआ है। उल्टी दस्त और बुखार तेजी से बढ़ रहा है। वह स्वयं इस समस्या चपेट में आये हैं। इस समय लोगों को खानपान के साथ अपनी सेहत के प्रति सावधान रहने की जरूरत है।

■ **डॉ. प्रमेन्द्र शर्मा,** आरएमओ, भोपाल

अब डेंगू का खतरा, अस्पतालों को किया सतर्क, एसओपी जारी

भोपाल। शुरू हो चुकी बारिश ने राजधानी में डेंगू का खतरा बढ़ा दिया है। नतीजतन अस्पतालों को सतर्क किया है। इस संबंध में जिला प्रशासन ने चिकित्सालयों से कहा है कि रोगों से बचाव के पर्याप्त इंतजाम जुटाए जाएं। डेंगू के लक्षण लेकर लोग अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। हालांकि डाक्टर्स दावा करते है कि अभी राजधानी में डेंगू का कोई मरीज नहीं आया है। लेकिन निकट भविष्य में बड़ी संख्या में रोगी आ सकते है। वजह प्रमुख यह भी है कि लोग जागरूक नहीं हैं और शहर के हर क्षेत्र में जबर्दस्त तरीके से गंदगी बढ़ रही है। अनेक क्षेत्र में जल भराव के कारण मच्छरों की पैदावार में इजाफा हो रहा है। डेंगू के साथ साथ मलेरिया बढ़ने के आसार हैं। डाक्टरों के अनुसार एडीज मच्छर डेंगू पैदा करता है। यह मच्छर सुबह से लेकर दोपहर के बीच काटता है। इसलिए लोगों को दोपहर में भी शयन करते समय मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए। डेंगू को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय ने एसओपी यानि स्टैण्डर्ड ऑपरेटिव प्रोसीजर जारी किया है। अस्पतालों को निर्देशित किया गया है कि चिकित्सालयों में डेंगू से बचाव के सभी इंतजाम जुटाये जाएं।

गमलों से लेकर पानी के घड़े चेक होंगे: स्वास्थ्य विभाग के अनुसार एडीज मच्छर खाली पड़े प्लाटों, घरों में रखे गमले और घड़ों में ज्यादा पनपते हैं। इसलिए टीमें घर-घर जाकर ऐसी वस्तुओं का परीक्षण करेंगी। कूलर एवं पानी की टंकियां भी चेक होंगी। जहां गंदगी होने पर कार्यवाही भी की जाएगी।

इनका कहना

जिला प्रशासन के निदेश पर एसओपी जारी हो चुकी है। सभी अस्पतालों को निर्देश दिए गए हैं कि डेंगू से निपटने के लिए हर व्यवस्थाएं जुटाई जाएं।

■ **डॉ. मनीष शर्मा**
सीएमएचओ, भोपाल

कमिश्नर ने बच्चों से की बात टीचरों ने लगाई ई-अटेंडेंस

भोपाल। प्रदेश में शिक्षा गुणवत्ता की हकीकत जानने के लिए राज्य स्तर से अफसर मैदानी भ्रमण पर निकले हैं। शनिवार को स्कूल शिक्षा सचिव डॉ.संजय गोयल और आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह ने देवास जिले के स्कूलों में पहुंच औचक निरीक्षण किया। दोनों ही वरिष्ठ अधिकारी यहां की माध्यमिक शाला बैदखेड़ी और शाला पिपलिया मीरा पहुंचे। यहां उन्होंने पाठय पुस्तकों की उपलब्धता, कक्षा संचालन की गतिविधियों और शिक्षकों द्वारा दर्ज की जा रही ऑनलाइन उपस्थिति को मौके पर परखा। शिक्षकों ने कमिश्नर अभिषेक सिंह के सामने ई-अटेंडेंस लगाई गई। मौके पर टीचरों से पूछा गया कि ई-अटेंडेंस में कौन-कौन सी तकनीकी और व्यवहारिक खामियां उनके समक्ष आ रही हैं। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि जो भी समस्याएं होंगी। उनका तात्कालिक रूप से समाधान किया जायेगा।

पांच हजार से अधिक शिक्षकों को प्रदान किए नियुक्ति-पत्र

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने 5,017 नव-नियुक्त शिक्षकों के नियुक्ति आदेश जारी कर दिए हैं। इनमें माध्यमिक शिक्षक (हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, संस्कृत, सामाजिक विज्ञान),माध्यमिक शिक्षक (खेल), माध्यमिक शिक्षक (गायन-वादन) के कुल 4067 एवं प्राथमिक शिक्षक (खेल, नृत्य एवं गायन-वादन) के पदों पर 950 अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की गई है। विभाग द्वारा ये नियुक्ति आदेश 3 एवं 4 जुलाई को जारी किए गए हैं। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में मंथन के बाद प्लान बनाने में जुटे अधिकारी

राजधानी में मनमर्जी से चलाए जा रहे 15 हजार से अधिक ई-रिक्शा, जिला प्रशासन तय करेगा रूट

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में 15 हजार से अधिक ई-रिक्शा रजिस्टर्ड हैं, लेकिन इनका अभी स्पष्ट रूट तय नहीं हैं। इसलिए मनमाने तरीके से चल रहे हैं। देखा जाय तो कई रूट पर तो ई-रिक्शा की संख्या अधिक है, लेकिन कुछ रूट पर एक भी ई-रिक्शा नहीं चल रहे। इस वजह से कई बार यात्रियों के सामने परेशानी खड़ी हो जाती है।

ऐसे में जिला प्रशासन अब इनके रूट तय करेगा, ताकि यात्रियों को उसका फायदा मिल सके।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के बाद अधिकारी प्लान बनाने में जुट गए हैं। साथ ही उन निर्णयों पर भी चर्चा का दौर है, जो बैठक में लिए गए थे। अफसरों का कहना है कि अगले 15 दिन के अंदर अधिकांश निर्णयों को अमल किया जाएगा। शहर में ई-रिक्शा संचालन को सुव्यवस्थित करने, आवश्यकतानुसार रूट डायवर्जन लागू करने, मुख्य मार्गों एवं फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस, संबंधित एसडीएम एवं नगर निगम संयुक्त कार्रवाई करेंगे। दरअसल शनिवार को कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली थी।

दर्जन भर रूट पर ई-रिक्शा चलाने लगा था प्रतिबंध

प्रशासन ने 11 माह पूर्व ई रिक्शा को शहर की व्यस्ततम सड़कों पर चलाने को लेकर प्रतिबंध लगाया था। यह इसलिए क्योंकि इस रूट पर नगर वाहन सेवा पहले से संचालित थी। वहीं दूसरा कारण था कि इन सड़कों पर ई-रिक्शा की ज्यादा संख्या से ट्रैफिक जाम के हालात बनते थे। यातायात पुलिस ने प्रतिबंधित रूट पर ई-रिक्शा चलाने वालों के खिलाफ चालान भी बनाए थे। जिन रूट पर ई-रिक्शा को बंद किया था उसमें लिंक रोड नंबर 1, वीआईपी रोड और बोट क्लब एरिया, राजभवन से पॉलिटेक्निक चौराहा, पॉलिटेक्निक चौराहे से स्टेट हैंगर, हमीदिया रोड (अल्पना टॉकीज से भोपाल टॉकीज) अपैक्स बैंक से रोशनपुरा, और सेंटर पॉइंट से रोशनपुरा, 10 नंबर से नेशनल अस्पताल तक, काटजू अस्पताल तिराहा से रंगमहल और जीजी फ्लाई ओवर शामिल थे। इसके अलावा ई-रिक्शा द्वारा स्कूली बच्चों को लाने और ले जाने पर भी सख्त प्रतिबंध लगाया था।

कॉलोनियों से बस स्टाफ की कनेक्टिविटी के लिए था संचालन

देखा जाय तो पूर्व में ई-रिक्शा के संचालन की अनुमति शहर की कॉलोनियों को बस स्टॉप से जोड़ने के लिए दी गई थी ताकि लोगों को परेशानी न हो, लेकिन धीरे-धीरे वह मुख्य सड़कों पर चलने लगे, जिसके कारण इन्हें नियमित करने की बात उठी। इसके बाद प्रशासन ने शहर को सेक्टरों में बांटकर रूट तय करने की योजना बनाई थी,ताकि हर ई-रिक्शा अपने निश्चित क्षेत्र में ही चल सकें।

ब्लैक स्पॉट पर भी होगा काम

शुक्रवार को हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में की गई समीक्षा में स्पष्ट हुआ कि 16 ब्लैक में से 5 पर काम चल रहा है। इनमें 1250 चौराहा, हबीबगंज, 1100 क्वार्टर, व्यापम और तरुण पुष्कर क्षेत्र में सुधार कार्य प्रगति पर हैं। गोविंदपुरा, ट्रेनिंग सेंटर एवं आईएसबीटी क्षेत्र के कार्य तत्काल प्रारंभ करने और अन्य स्वीकृत लेफ्ट टर्न निर्माण को पूरा करने पर अफसरों का विचार विमर्श हुआ।

पुलिस ने नाले में डूब रहे जिस बुजुर्ग को सकुशल बाहर निकाला था, इलाज के दौरान हो गई मौत

भोपाल (नगर संवाददाता)

हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित पुट्ठा मिल अग्रवाल तिराहा के पास 28 जून की रात नाले की दलदल व तेज बहाव में फंसे बुजुर्ग को पुलिस की टीम ने सकुशल बाहर निकाला था। बुजुर्ग को सीपीआर दी गई और उसकी सांस चलने लगी। लिहाजा तत्काल बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन पांच दिन चले इलाज के बाद बुजुर्ग की हमीदिया अस्पताल में मौत हो गई।

डॉक्टर का कहना है कि नाले का गंदा पानी मुंह से अंदर जाने के कारण बुजुर्ग को संक्रमण हो गया था। संभवतः संक्रमण के कारण ही बुजुर्ग की जान गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मरचुरी में सुरक्षित रखवा दिया है। बुजुर्ग की पहचान नहीं हो सकी है।

पुलिस के अनुसार विगत 28 जून को तेज बारिश हुई थी। हनुमानगंज की चार्ली में तैनात आरक्षक मोहित शिवहरे और आरक्षक राजेन्द्र रघुवंशी रात करीब 12 बजे छोला रोड पर गश्त कर रहे थे। इसी वजह से पुट्ठा मिल अग्रवाल तिराहा के पास छोला रोड पर नाले में पानी का बहाव तेज हो गया था। बीट भ्रमण के दौरान चार्ली पर तैनात पुलिसकर्मियों को नाले से बचाओ,बचाओ की आवाज सुनाई दी। मौके पर जाकर देखने पर करीब 60 साल का एक बुजुर्ग नाले में पीली मिट्टी की दलदल में धंसा दिखाई दिया। वह सिर में चोट लगने के कारण नाले में गिर गए थे। नाले के पानी का तेज बहाव बुजुर्ग को आगे बने संकीर्ण पुल की ओर बहाकर ले जा रहा था। आरक्षक मोहित शिवहरे ने नाले में उतरकर दलदल में फंसे बुजुर्ग को बचाने का प्रयास किया।

दलदल की गहराई इतनी अधिक थी कि उनका आधा शरीर उसमें धंस चुका था। बावजूद इसके आरक्षक मोहित ने मौके पर पहुंचकर बुजुर्ग को संभाले रखा। इस बीच साथी आरक्षक राजेन्द्र रघुवंशी ने रात्रि अधिकारी एसआई रामसजीवन और एफआरवी में तैनात प्रधान आरक्षक के संयुक्त प्रयास से काफी मशक्कत के बाद बुजुर्ग को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान शुक्रवार को बुजुर्ग की मौत हो गई।

आरजीपीवी पेपर चोरी : जांच कमेटी का गठन, तीन दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार की सुबह प्रश्नपत्र चोरी के मामले ने तूल पकड़ ली है। इस घटना के बाद शनिवार को जांच कमेटी का गठन किया गया है। समिति तीन दिन में कुलपति को रिपोर्ट सौंपेगी।

कुलगुरू आलोक शर्मा कल ही मामले की जांच के आदेश दे चुके थे। इसके अलावा परीक्षा नियंत्रक डॉ अर्चना शर्मा को कारण बताओ नोटिस भी जारी कर दिया है। आज उन्होंने आरजीपीवी के यूटीडी संकायों की परीक्षा संचालन और पेपर चोरी संबंधी शिकायतों को लेकर तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति में डॉ एसएस भदौरिया, संचालक, यूआईटी आरजीपीवी समेत डॉ. राघवेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक, आरजीपीवी और डॉ. विनय थापर, आरजीपीवी को शामिल किया गया है। डॉ शर्मा ने बताया कि गठित समिति उक्त प्रकरण में प्राप्त शिकायतों एवं अनुपालनों का परीक्षण करते हुए समन्वय स्थापित कर 3 दिवस में की गई कार्यवाही एवं अनुपालनों की अनुशंसा के साथ प्रगति प्रतिवेदन कुलपति को प्रेषित करेंगी, जिससे समयबद्ध एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित हो सके। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही अथवा उत्तरदायित्व परिलक्षित होता है, तो संबंधित तथ्यों सहित दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के संबंध में विस्तृत प्रतिवेदन भी पृथक रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।

ललितपुर यार्ड विकास कार्य- चार ट्रेनों का बदला मार्ग

भोपाल। ललितपुर स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण अगले सप्ताह रतलाम मंडल ने चार ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित कर दिया है। इस वजह से ये ट्रेनें उज्जैन, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, बीना, झांसी ना आकर दूसरे मार्ग नागदा- कोटा होकर चलेगी। रतलाम पश्चिम रेलवे के पीआरओ मुकेश कुमार ने बताया कि ललितपुर में यार्ड रि-मॉडलिग कार्य होने से 14 से 18 जुलाई के बीच उज्जैन, हिरदाराम नगर, बीना होकर जाने वाली चार ट्रेनों का मार्ग डायवर्ट कर दिया जा रहा है। 14 जुलाई को 09065 और 15 को 09066 सूरत-छपरा स्पेशल ट्रेन परिवर्तित मार्ग वाया नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज होकर चलेगी। इसी तरह 17 जुलाई को 09465 और 18 जुलाई को 09466 अहमदाबाद-दरभंगा स्पेशल ट्रेन नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, गोविंदपुरी एवं प्रयागराज होकर चलेगी।

केन्द्रीय खेल मंत्रालय की सचिव और रासयो की निदेशक ने की समीक्षा बैठक

कुलगुरु के जीवन का अनुभव है रासेयो का शिविरः डॉ. पल्लवी

भोपाल (नगर संवाददाता)

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर गुरुकुल के जीवन का अनुभव है। यह बात केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, युवा कार्यक्रम की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतर्गत गोद ग्राम/गोद बस्ती में आयोजित गतिविधियों की संरचना एवं क्रियान्वयन के अध्ययन एवं अवलोकन के संबंध में शनिवार को टीटी नगर स्टेडियम के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में कही। इस मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय, नई दिल्ली की निदेशक श्रीमती वंदिता पाण्डे विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के पुनर्संरचना एवं

कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी, नवाचार आधारित एवं परिणामोन्मुख बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं में जन-जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता तथा कौशल विकास को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जरूरी मार्गदर्शन भी दिया। बैठक में जिला भोपाल के विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारियों तथा वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक कुमार श्रोती ने सात दिवसीय विशेष शिविर की गतिविधियों, गोद ग्राम/गोद बस्ती में संचालित कार्यक्रमों की संरचना, उद्देश्यों एवं क्रियान्वयन संबंधी विस्तृत प्रस्तुति दी। बैठक में सचिव युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, मध्यप्रदेश संजय सिंह, राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन डॉ. मनोज कुमार अग्निहोत्री, युवा अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल (मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़) डॉ. राजकुमार वर्मा एन.एस.एस. कार्यक्रम समन्वयक, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल डॉ. अनंत कुमार सक्सेना, सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे।

मप्र विधानसभा के मानसून सत्र में यूसीसी विधेयक पर संशय

■ शासन ने 26 जुलाई तक बढ़ाया यूसीसी कमेटी का कार्यकाल

■ विसा सत्र 24 जुलाई को हो जाएगा समाप्त

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश विधान सभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत किए जाने वाला समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक संशय में पड़ गया है। सरकार ने यूसीसी का मसौदा तैयार कर रही उच्च स्तरीय समिति का कार्यकाल 26 जुलाई 2026 तक बढ़ा दिया है, जबकि विधानसभा का मानसून सत्र 24 जुलाई को समाप्त हो जाएगा। ऐसे में इस सत्र में विधेयक पेश होने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है।

विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने 30 जून को जारी अधिसूचना में समिति के सदस्य सचिव के अनुरोध और ड्राफ्ट तैयार करने की प्रगति को देखते हुए कार्यकाल बढ़ाने का निर्णय लिया। समिति के गठन से जुड़े अन्य सभी प्रावधान यथावत रहेंगे।

गुजरात मॉडल पर तैयार हो रहा ड्राफ्ट

सूत्रों के अनुसार, अब तक तैयार ड्राफ्ट का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा गुजरात यूसीसी के प्रावधानों पर आधारित है। इसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, वसीयत, भरण-पोषण, बच्चों की अभिरक्षा और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे पारिवारिक मामलों के लिए सभी समुदायों पर समान कानूनी व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले कह चुके हैं कि जुलाई में होने वाले मानसून सत्र के दौरान यूसीसी कानून का रूप ले सकता है। 2 जुलाई को मुख्यमंत्री के समक्ष यूसीसी ड्राफ्ट का प्रेजेंटेशन भी हो चुका है।

हिंदू उत्सव समिति सदस्यता अभियान की बैठक

श्री हिंदू उत्सव समिति के संगठन विस्तार एवं सदस्यता अभियान को गति देने रविवार,5 जुलाई को शाम 4 बजे मां वैष्णोधाम, आदर्श नवदुर्गा मंदिर,प्लेटिनम प्लाजा परिसर में बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में आगामी धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श होगा। समिति अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि बैठक में सदस्यता अभियान पर विस्तृत चर्चा की होगी। नए सदस्यों का पंजीयन होगा। सदस्यता ग्रहण करने के इच्छुक नागरिकों से दो पासपोर्ट आकार के फोटो, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं निर्धारित सदस्यता शुल्क साथ लाने का आग्रह किया गया है, ताकि सदस्यता की प्रक्रिया मौके पर ही पूर्ण की जा सके। उन्होंने समिति के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं हिंदू समाज के जागरूक नागरिकों से समय पर उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने की अपील की है।

यादगार सीएम डॉ. मोहन यादव ने एप्को को सौंपी योजना की जिम्मेदारी, अफसर भुज जाकर करेंगे अध्ययन

भुज के स्मृति वन की तर्ज पर बनेगा भोपाल गैस त्रासदी का स्मारक

भोपाल (नगर संवाददाता)

वर्ष 1984 में भोपाल में हुए भीषण गैस कांड की याद में अब गुजरात के भुज स्थित स्मृति वन की तर्ज पर एक भव्य और विश्वस्तरीय स्मारक बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूका) की रासायनिक कचरे से मुक्त हो चुकी भूमि पर इस परियोजना को आकार दिया जाए। प्रस्तावित स्मारक में इंटरएक्टिव गैलरी, आधुनिक संग्रहालय, आपदा अनुभव तकनीक, हरित क्षेत्र और स्मृति वन जैसी सुविधाएं विकसित करने की योजना है।

भुज का स्मृति वन मॉडल

भोपाल में जिस भुज मॉडल को आधार बनाकर स्मारक की रूपरेखा तैयार की जा रही है, वह बेहद अनूठा है। 2001 के गुजरात भूकंप पीड़ितों की याद में बना भुज का 'स्मृतिवन' अपनी आधुनिक गैलरी, मियावाकी वन और आपदा प्रबंधन के जीवंत अनुभवों (सिम्युलेटर तकनीक) के कारण दुनिया भर में मशहूर है। अब इसी तर्ज पर भोपाल गैस त्रासदी के इतिहास और पीड़ितों की याद को सहेजने के लिए यूनियन कार्बाइड परिसर को नया रूप दिया जाएगा। जो त्रासदी की कहानी बयां करेगा।

कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) को इस महत्वाकांक्षी परियोजना की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने निर्देश दिए कि एप्को की एक विशेष टीम गुजरात के भुज में बने आधुनिक भूकंप स्मारक व संग्रहालय का मौका-मुआयना करे। वहां की व्यवस्थाओं और डिजाइन का विस्तृत निरीक्षण करने के बाद भोपाल में भी वैसा ही भव्य स्मारक तैयार करने के लिए एक विधिवत प्रस्ताव और ठोस एक्शन प्लान तैयार किया जाए।

कच्छ दौरे के समय सीएम हुए थे प्रभावित

दरअसल, फरवरी 2026 में अपने कच्छ दौरे के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भुज के 'स्मृतिवन' को देखकर बेहद प्रभावित हुए थे। वर्ष 2001 के विनाशकारी भूकंप पीड़ितों की याद में 470 एकड़ में फैला भुज का यह अनूठा स्मारक तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का परिणाम था। पीएम मोदी ने चीन के सिचुआन प्रांत के भूकंप स्मारक को देखने के बाद इस भव्य स्मृतिवन का खाका तैयार किया था।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।